www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

# भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

**मौसम**

अधिकतम तापमान 39.c
30.c न्यूनतम तापमान

**बाजार**

सोना 101.700g
चांदी 106.000kg

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 राजनीतिक एजेंडे की भेंट चढ़ता पुरातत्व, इतिहास-पुरातत्व को राजनीतिक विचारधाराओं से मुक्त रखा जाए

न्यूयॉर्क मेयर उम्मीदवार ममदानी के हाथ से खाने पर विवाद 06

वर्ष :17 | अंक :90 | प्रयागराज , मंगलवार , 01 जुलाई, 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

**संक्षिप्त समाचार**

### जम्मू कश्मीर के उधमपुर में सात लाख रुपये के मादक पदार्थ बरामद, चार तस्कर गिरफ्तार

एक तरफ जम्मू कश्मीर में आतंकवाद का खतरा बना हुआ है। वहीं दूसरी और नशे की स्मगलिंग की भी एक बड़ी समस्या अब अपनी जड़े मजबूत करती जा रही हूं। आय दिन मादक पदार्थ को पकड़ने की खबरे सामने आ रही हैं।जाता अपडेट जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले से आ रही है। जहां सोमवार को हेरोइन समेत मादक पदार्थ की बरामदगी के साथ चार कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि जीवन कुमार और सुनील कुमार (दोनों निवासी जगानू गांव) को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर टिकरी में उनके कब्जे से लगभग छह लाख रुपये मूल्य की 9.40 ग्राम हेरोइन बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों मोटरसाइकिल पर जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रोका और उनकी जांच की।प्रवक्ता ने बताया कि दो अन्य तस्करों, चालक संजय कुमार और रोहित कुमार, निवासी काह-फलाटा गांव को गिरफ्तार कर लिया गया, जब रहमबल क्षेत्र में फ्लाटा जांच चौकी पर उनके वाहन से लगभग एक लाख रुपये मूल्य का 9.60 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद किया गया।

### दिल्ली के रानी बाग में झपटमारी और वाहन चोरी के आरोप में दंपति गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने बाहरी दिल्ली के रानी बाग इलाके में झपटमारी और वाहन चोरी की कई घटनाओं में कथित रूप से शामिल एक दंपति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार दंपति की पहचान राहुल उर्फ मोटा (30) और उसकी पत्नी के रूप में हुई है, जो पहले दोपहिया वाहन चुराते थे, उनका इस्तेमाल झपटमारी एवं डकैती की वारदातों को अंजाम देने के लिए करते थे और फिर कानून प्रवर्तन एजेंसियों की नजरों से बचने के लिए उन्हें (वाहनों को) लावारिस छोड़ देते थे।पुलिस उपायुक्त (बाहरी) सचिन शर्मा ने कहा, 25 जून को एक महिला ने पुलिस से शिकायत की कि जब वह ऋषि नगर के पास एक एरोबिक्स सेंटर जा रही थी, तब स्कूटर पर सवार एक पुरुष और एक महिला उसके पास आए। गुलाबी सूट पहने और पीछे बैठी महिला ने उसकी सोने की चेन छीन ली और पुरुष स्कूटर को तेजी से भगा ले गया। शर्मा के मुताबिक, रानी बाग पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि जांचकताओं ने घटनास्थल और उसके आसपास तथा भागने के संभावित रास्तों पर लगे 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले।

# मेडिकल एक प्रोफेशन नहीं समाज सेवा है :राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

## गोरखपुर एम्स के दीक्षांत में कहा- डॉक्टरों की तैनाती गांव में भी होनी चाहिए

**दीक्षांत समारोह**

▶▶ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि यहां जितने छात्र थे। उनमें ज्यादा बेटियां थी। यह 21वीं सदी महिलाओं की सदी है। जहां पर भी मैं दीक्षांत में जाती हूं। पूछने पर पता चलता है की 100 लोगों को अवार्ड देना है तो उनमें 80 बेटियां हैं। उन्होंने कहा- जिनको कम मार्क्स मिले हैं। या मेडल नहीं मिला। वे निराश न हों। आप सभी अवार्ड वाले हैं। यह मान कर चलिए। जो मिला उसको स्वीकार करके आगे बढिए। किसी का मत देखिए।

एजेंसी

गोरखपुर ,राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 30 घंटे तक गोरखपुर में रहेंगी। वह दोपहर 1:30 बजे गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुके देकर स्वागत किया। राष्ट्रपति यहां से शाम 4:20 बजे एम्स पहुंची। वह दीक्षांत समारोह में शामिल हुई। उन्होंने यहां 61 छात्रों को डिग्रियां वितरित की।इस दौरान उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति 1:34 मिनट एम्स में रही। इससे पहले राष्ट्रपति बरेली में के दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं थी।

**सीएम योगी दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बोले**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अगर हम इस देश के अंदर भारत की सनातन परम्परा के प्रमुख केंद्र अयोध्या की बात करें तो 2 घंटे की दूरी पर अयोध्या और ढाई घंटे की दूरी पर अयोध्या स्थित है। यह क्षेत्र शैक्षिक रूप से आर्थिक रूप से पहले विपन्नता का शिकार था। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस विपन्नता को दूर करने का संकल्प लिया है। 5 करोड़ प्रत्यक्ष और 7 करोड़

# हिमाचल में भारी बारिश- 285 सड़कें बंद, अबतक 39 की मौत

## लैंडस्लाइड के बाद टनल में 5 घंटे फंसी रहीं गाड़ियां; बिहार में 5 लोगों पर बिजली गिरी

मौसम विभाग के अनुसार, आज 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश होगी। उत्तराखंड और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 12 राज्यों में तेज बारिश का ऑरेंज और 17 राज्यों में यलो अलर्ट है।

एजेंसी

हिमाचल प्रदेश । हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश हो रही है। लैंडस्लाइड के चलते प्रदेशभर की 285 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। मानसून के बाद से राज्य में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है।हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट की भुभु जोत टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे टनल के अंदर 5 घंटे तक कई गाड़ियां फंसी रहीं। अलर्ट के चलते आज हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं।बिहार के भोजपुर, बक्सर और नालंदा में बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। वहीं, गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल में रविवार को अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लड़कियां बह गईं। स्थानीय लोगों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

# भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दिया, रेजिग्नेशन लेटर में बताई वजह

## उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष चुनने के फैसले पर नाराजगी जताई

एजेंसी

राजा सिंह ने कहा, यह फैसला न केवल मेरे लिए बल्कि लाखों कार्यकर्ताओं, नेताओं और मतदाताओं के लिए भी एक झटका और निराशा की तरह है, जो हर उतार-चढ़ाव में पार्टी के साथ खड़े रहे हैं . ऐसे समय में जब भाजपा तेलंगाना में अपनी पहली सरकार बनाने की दहलीज पर

हैदराबादः तेलंगाना में भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. हैदराबाद के गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र से विधायक टी राजा को विवादित बयानों के लिए जाना जाता है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नेतृत्व विवाद के बीच उन्होंने भाजपा से इस्तीफा दिया. राजा सिंह ने एक्स पर इस्तीफा पत्र साझा करते हुए लिखा, बहुत से लोगों की चुप्पी को सहमति नहीं समझा जाना चाहिए. मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि उन अनगिनत कार्यकताओं और मतदाताओं के लिए बोल रहा हूं, जो हमारे साथ विश्वास के साथ खड़े थे और जो आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं. तेलंगाना भाजपा के नए अध्यक्ष के रूप में पूर्व एमएलसी रामचंद्र राव का नाम लगभग तय हो गया है. उन्होंने सोमवार दोपहर अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया. राव के खिलाफ कोई उम्मीदवार मैदान में नहीं है, इसलिए उनके सर्वसम्मति से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने की संभावना है. इसके बाद राजा सिंह ने भाजपा से अपने इस्तीफे की घोषणा की और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को संबोधित पत्र में कहा कि उन्होंने यह पत्र भारी मन और गहरी चिंता के साथ लिखा है.टी राजा सिंह कथित तौर पर तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नजरअंदाज किए जाने से नाराज थे. भेजे इस्तीफा पत्र में उन्होंने आरोप लगाया है कि पार्टी के कुछ गुटों ने उनके समर्थकों को धमकाया और आंतरिक नेतृत्व चयन प्रक्रिया के दौरान उन्हें नामांकन दाखिल करने से रोका.

### मैं अपनी आवाज उठाता रहूंगा...

राजा सिंह ने कहा, मैं भले ही पार्टी से अलग हो रहा हूं, लेकिन मैं हिंदुत्व की विचारधारा और हमारे धर्म और गोशामहल के लोगों की सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं. मैं अपनी आवाज उठाता रहूंगा और हिंदू समुदाय के साथ और भी मजबूती से खड़ा रहूंगा.₹उन्होंने कहा कि यह एक कठिन निर्णय है, लेकिन जरूरी भी है. बहुत से लोगों की चुप्पी को सहमति नहीं समझा जाना चाहिए. मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि उन अनगिनत कार्यकताओं और मतदाताओं के लिए बोल रहा हूं जो हमारे साथ विश्वास के साथ खड़े थे और जो आज निराश महसूस कर रहे हैं.आखिर में उन्होंने लिखा, ₹मैं हमारे वरिष्ठ नेतृत्व - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, अमित शाह और बीएल संतोष से भी विनम्रतापूर्वक अपील करता हूं कि वे इस कदम पर पुनर्विचार करें. तेलंगाना भाजपा के लिए तैयार है, लेकिन हमें उस अवसर का सम्मान करने और उसे हाथ से न जाने देने के लिए सही नेतृत्व चुनना चाहिए.

# अगर कांग्रेस अध्यक्ष नहीं तो आखिर कौन है अनदेखा और अनसुना हाईकमान? खड़गे के बयान पर बीजेपी का तंज

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने इस मौके का फायदा उठाते हुए सबसे स्पष्ट सवाल पूछा: यह अनदेखा, अनसुना हाईकमान आखिर कौन है? खड़गे पर कटाक्ष करते हुए सूर्या ने सवाल किया कि अगर कांग्रेस अध्यक्ष नहीं हैं, तो यह हाईकमान कौन है, जिसे हमेशा महसूस किया जाता है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर नए सिरे से चर्चा के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का एक ही जवाब था: ₹यह पार्टी हाईकमान के हाथ में है।₹ डीके शिवकुमार को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर खड़गे ने संवाददाताओं से कहा कि कोई नहीं कह सकता कि हाईकमान में क्या चल रहा है। कांग्रेस नेताओं के लिए हाईकमान पर फैसले टालना आम बात है, लेकिन जब पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी ऐसा ही करते हैं, तो लोगों की भौहें तन जाती हैं। उनकी टिप्पणियों से अक्सर भाजपा के इस आरोप को बल मिलता है कि सोनिया गांधी और उनके बच्चे- राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा- पर्दे के पीछे से पार्टी चला रहे हैं। इस टिप्पणी को कई लोगों ने इस तरह से समझा कि 82 वर्षीय कांग्रेस अध्यक्ष खुद हाईकमान का हिस्सा नहीं हैं। भाजपा ने तुरंत ही इस पर सवाल उठाया और खड़गे की भूमिका पर सवाल उठाए। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने इस मौके का फायदा उठाते हुए सबसे स्पष्ट सवाल पूछाः यह अनदेखा, अनसुना हाईकमान आखिर कौन है ? खड़गे पर कटाक्ष करते हुए सूर्या ने सवाल किया कि अगर कांग्रेस अध्यक्ष नहीं हैं, तो यह हाईकमान कौन है, जिसे हमेशा महसूस किया जाता है।

## सम्पादकीय

# अब रथयात्रा में भगदड़, तमाम तैयारियों और सुरक्षा के बावजूद क्यों घट रही ऐसी घटनाएं

पुरी रथयात्रा में भगदड़ की घटना निराशाजनक है जिसमें कई लोग हताहत हुए। यह घटना दिखाती है कि प्रयागराज कुंभ और बेंगलुरु आरसीबी जीत के जश्न से कोई सबक नहीं सीखा गया। भारत में धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में भगदड़ की घटनाएं होती रहती हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री ने क्षमा मांगी है लेकिन भगदड़ के कारणों की तह तक जाना और सबक सीखना जरूरी है। यह घोर निराशाजनक और दुख की बात है कि तमाम तैयारियों, सुरक्षा तथा भीड़ नियंत्रण के दावों के बावजूद पुरी में रथयात्रा के समय भगदड़ मच गई और कई लोग हताहत हो गए। यह घटना इसलिए अधिक क्षुब्ध करने वाली है, क्योंकि इससे यही पता चल रहा है कि न तो प्रयागराज में कुंभ मेले के समय मची भगदड़ से कोई सबक सीखा गया और न ही अभी हाल में बेंगलुरु में आइपीएल विजेता आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ से। भारत भगदड़ के लिए भी जाना जाने लगा है। अपने देश में धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐसे ही अन्य आयोजनों में रह-रहकर भगदड़ मचती रहती है। भगदड़ की इन घटनाओं में लोग मारे जाते हैं। जब कोई बड़ी घटना घटती है तो शोक व्यक्त करने से लेकर जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें दंडित करने और सबक सीखने की बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, लेकिन होता कुछ नहीं है। कभी-कभी कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाता है और मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है। इस मामले में जो स्थिति राज्य सरकारों की है, वही केंद्र सरकार की भी। यह एक तथ्य है कि निजी स्तर पर भीड़ भरे आयोजन करने-कराने वाले भी भीड़ प्रबंधन को लेकर लापरवाही का ही परिचय देते हैं। यह ठीक है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और कभी-कभी आम लोग भीड़ में संयम एवं अनुशासन का परिचय देने के प्रति सतर्क नहीं रहते, लेकिन आखिर शासन-प्रशासन भी क्यों सतर्क नहीं रहता? क्या वह भी आम जनता की तरह व्यवहार करेगा। पुरी में भगदड़ के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री ने क्षमा मांग ली, लेकिन आवश्यकता इसकी है कि भगदड़ के कारणों की तह तक जाया जाए और जरूरी सबक सीखने में देर न की जाए। सबक केवल ओडिशा सरकार को ही नहीं, सभी सरकारों को भी सीखना होगा। यदि यह काम नहीं किया जाता तो भविष्य में भी ऐसी घटनाएं होंगी और उनसे कुल मिलाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी होगी। भारत प्रगति कर रहा है, लेकिन उसे बहुत कुछ सीखने और ठीक करने की भी आवश्यकता है। कम से कम भीड़ प्रबंधन में नाकामी को लेकर तो चेत ही जाना चाहिए। यह काम जितनी जल्दी किया जाए, उतना ही अच्छा, क्योंकि इसमें पहले ही देर और एक तरह की अंधेर हो चुकी है।

## आज का विचार

खुद की तरक्की में
इतना वक्त लगा दो
कि दूसरों की बुराई करने का
वक्त ही ना मिले

भारत संवाद

# राजनीतिक एजेंडे की भेंट चढ़ता पुरातत्व, इतिहास-पुरातत्व को राजनीतिक विचारधाराओं से मुक्त रखा जाए

> राज्य के पुरातात्विक स्थलों को सिंधु सभ्यता से जोड़कर आर्य-द्रविड़ खांचे को पुख्ता करना अपने इतिहास को गैर-धार्मिक और शेष देश की संस्कृति से भिन्न बताना तमिल ब्राह्मी को अशोक ब्राह्मी का जनक बताना-ये सभी बातें तमिलनाडु में पुरातात्विक उत्खनन को जबरन द्रमुक राजनीति के प्रमुख एजेंडा बिंदुओं की दिशा में धकेलती दिखती हैं।

पा इतिहास के राजनीतिकरण ने देश में लगातार विवादों को जन्म दिया है। तमिलनाडु के कीलड़ी पुरातात्विक स्थल के साथ इसमें एक और अध्याय जुड़ गया। राज्य की द्रमुक सरकार ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआइ पर कीलड़ी उत्खनन को रोकने और राज्य में पुरातात्विक प्रयासों की उपेक्षा के आरोप लगाए हैं। इस विवाद का जन्म एएसआइ निदेशकों द्वारा कीलड़ी के मुख्य पुरातत्वविद अमरनाथ रामाकृष्णन की रिपोर्टों पर स्पष्टीकरण और अतिरिक्त साक्ष्य मांगने के कारण हुआ है, क्योंकि पुरातात्विक सर्वेक्षण बहुविषयी समझ पर आधारित होते हैं। प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए एएसआइ में विशेषज्ञों द्वारा ऐसे स्पष्टीकरण मांगना सामान्य प्रक्रिया है। हालांकि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इन सवालों को तमिल संस्कृति पर हमला बताया है। राज्य के एक अन्य मंत्री थंगम तेन्नरसु ने कहा है कि कीलड़ी रिपोर्ट को नकारना तमिलों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाए रखने का षड्यंत्र है। यह आरोप इसलिए हास्यास्पद है, क्योंकि स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल को विश्व की सबसे पुरानी भाषा बताया है। तथ्यात्मक न होने पर भी यह कथन केंद्र की मंशा व्यक्त करता है। मोदी सरकार ने ही चेन्नई के बाद तिरुचिरापल्ली में एएसआइ के दूसरे सर्किल का गठन किया है और देश के जिन पांच पुरातात्विक स्थलों को संग्रहालय बनाने का निर्णय लिया है उसमें तमिलनाडु का आदिच्चनल्लूर भी शामिल है। द्रमुक सरकार के आरोपों के

जवाब में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि उत्खनन रिपोर्ट जारी करने में किसी को आपत्ति नहीं है, परंतु तमिलनाडु की विरासत का सम्मान विभाजनकारी भावनाएं भड़काने के बजाय बौद्धिक ईमानदारी से होना चाहिए। असंतुष्ट द्रमुक अमरनाथ के नियमसम्मत तबादले को भी षड्यंत्र बता रही है। 2015 से 2017 के बीच दो चरणों के उत्खनन में अमरनाथ द्वारा कीलड़ी का काल निर्धारण 200 ईसा पूर्व किया गया, जो 400 ईसा पूर्व से 300 ईस्वी की सर्वमान्य संगम काल अवधि में पहुंचता है, परंतु बाद में उन्होंने इसकी अवधि को 800 ईसा पूर्व में पहुंचा दिया। दिलचस्प बात यह है कि राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा 2018 में चौथे चरण के उत्खनन से प्राप्त छह अवशेषों की कार्बन डेटिंग में एक सैंपल की डेटिंग 580 ईसा पूर्व ही बताई गई थी पुरातत्व में डेटिंग का अपना महत्व है, लेकिन रेडियोकार्बन प्रयोगशाला केवल चारकोल में परिवर्तित होने वाले पेड़ की मृत्यु की तिथि बता सकती है। यह तिथि उस स्थान के बारे में तब तक कुछ अधिक नहीं बता सकती जब तक इस डेटिंग को स्थल की स्ट्रैटीग्राफी और लेयर मार्किंग से जोड़कर न देखा जाए। रामाकृष्णन की रिपोर्ट में स्ट्रैटीग्राफी स्पष्ट नहीं थी। साथ ही कुछ खंदकों से संबंधित मिट्टी एवं जैविक नमूनों आदि की जांच रिपोर्ट भी शामिल नहीं थीं। रामाकृष्णन ने यह कहते हुए अपनी रिपोर्ट में परिवर्तन-संपादन से इन्कार कर दिया कि इससे निष्कर्षों का महत्व कम हो जाएगा, लेकिन उन्होंने विवादास्पद ईसाई मिशनरी फादर जगत गैस्पर राज को उत्खनन स्थल का दौरा कराया। याद रहे कि लिट्टे को हथियार सप्लाई करने के मामले में जगत गैस्पर राज का नाम एफबीआइ की वांछित अपराधियों की लिस्ट में रहा है। गैस्पर राज के दौरे के बाद हाई कोर्ट की मदुरई बेंच में कीलड़ी की कलाकृतियों को राज्य से बाहर न ले जाने की अर्जी डाली गई। रामाकृष्णन का नाम केरल के संदिग्ध पट्टनम उत्खनन से भी जुड़ा है। पट्टनम उत्खनन ईसाई लाबी के दबाव में सेंट थामस के प्रथम शताब्दी में केरल आगमन वाले मिथक को इतिहास के रूप में गढ़ने का प्रयास था। प्रो. वसंत शिंदे, आर. नागस्वामी और टी. सत्यमूर्ति जैसे वरिष्ठ पुरातत्वविदों ने पट्टनम उत्खनन की तीखी आलोचना की है। विश्वविख्यात पुरातत्वविद प्रो. दिलीप चक्रवर्ती ने तो पट्टनम को ईसाई लाबी की कारगुजारी बताया है। जब एएसआइ ने इसकी जांच का जिम्मा सौंपा तो रामाकृष्णन ने कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की। पट्टनम की तर्ज पर ही कीलड़ी उत्खनन में भी अतिशयोक्तिपूर्ण दावे किए गए, जो उत्कट तमिल राष्ट्रवाद को उभारने का प्रयास करते हैं। अमरनाथ समेत कई शोधार्थी कीलड़ी को नदी घाटी सभ्यता करार दे रहे हैं, जबकि जिस वैगई नदी पर कीलड़ी स्थित है वह मात्र 250 किमी लंबी मौसमी नदी है। कुछ शोधार्थियों द्वारा इस स्थल को सिंधु घाटी सभ्यता से जोड़ने का प्रयास भी बेतुका है, क्योंकि छठी शताब्दी की काल गणना मान लेने पर भी कीलड़ी सिंधु घाटी सभ्यता के परिपक्व काल 2500 ईसा पूर्व से 1900 साल बाद आती है। कीलड़ी के संबंध में एक अनूठा दावा यह भी किया गया कि यह एक गैर-धार्मिक पुरातात्विक स्थल है। राज्य पुरातत्व की रिपोर्ट में कीलड़ी उत्खनन के हवाले से तमिल ब्राह्मी की तारीख को पीछे करने का प्रयास भी किया गया है। कीलड़ी में तमिल ब्राह्मी केवल दो टुकड़ों पर लिखी मिली है। यह भी नहीं पता कि ये टुकड़े कार्बन-डेटेड चारकोल से कितनी दूरी पर स्थित थे। यही रिपोर्ट कहती है कि इस स्तर पर जो कुछ भी मिला वह 600 ईसा पूर्व और 300 ईस्वी के बीच की अवधि का हो सकता है। इतने सतही आधार पर तमिल ब्राह्मी की तिथि दो शताब्दी पीछे धकेलना चौंकाने वाली बात है। ब्राह्मी लिपि के सबसे बड़े विशेषज्ञ हैरी फाक तो रेडियोमेट्रिक आधार पर तमिल ब्राह्मी के 500 ईसा पूर्व दावे को भी गलत बताते हैं। फाक ऐसी रिपोर्ट को ह्यक्षेत्रीय अंधराष्ट्रवादह्व की उपज मानते हैं। राज्य के पुरातात्विक स्थलों को सिंधु सभ्यता से जोड़कर आर्य-द्रविड़ खांचे को पुख्ता करना, अपने इतिहास को गैर-धार्मिक और शेष देश की संस्कृति से भिन्न बताना, तमिल ब्राह्मी को अशोक ब्राह्मी का जनक बताना-ये सभी बातें तमिलनाडु में पुरातात्विक उत्खनन को जबरन द्रमुक राजनीति के प्रमुख एजेंडा बिंदुओं की दिशा में धकेलती दिखती हैं। इस एजेंडे को स्वयं स्टालिन आगे बढ़ा रहे हैं। यह नितांत आवश्यक है कि इतिहास एवं पुरातत्व को विचारधाराओं से मुक्त रखा जाए। खासकर तब जब वह ईसाई विस्तारवाद और तमिल क्षेत्रवाद के जरिये द्रविड़ अलगाववाद की बौद्धिक पृष्ठभूमि बनाने पर आमादा हो।

**मेष :** आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आपको किसी सहयोगी की कोई बात बुरी लग सकती है। लेनदेन से संबंधित मामले में आप अपने आंख और कान खुले रखें। आपका कोई काम यदि लंबे समय से लटका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है।

**वृषभ :** आज का दिन आपके लिए कला कौशल में निखार लेकर आएगा। आप अपने हुनर को तराशेंगे, जो आपकी आय के सोर्स को बढाएगा। आप अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान दें, नहीं तो किसी गलत काम की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

**मिथुन :** आज आप किसी काम को लेकर कोई जोखिम न उठाएं। बिजनेस में भी आप थोड़ा सोच समझकर ही धन लगाएं, तो आपके लिए बेहतर रहेगा, क्योंकि आपको कोई नुकसान होने की संभावना है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में यदि कोई बाधा आ रही थी, तो वह भी दूर होगी।

**कर्क :** आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी भाई बहनों से किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकते हैं। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से भी थोड़ा सतर्क रहना होगा। आपको यदि कोई जिम्मेदारी मिले, तो कार्यक्षेत्र में उसे पूरा करने के लिए आपका सहयोगी आपकी मदद कर सकते हैं।

**सिंह राशि :** आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है। किसी पुरानी गलती से आपको सबक लेना होगा और आप अपने कामों को आज किसी दूसरे के भरोसे नहीं छोड़ेंगे।

**शुभ रंग:** आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने परिवार में अपनी जिम्मेदारियां से बिल्कुल पीछे ना हटें। कार्यक्षेत्र में आपके बॉस आपसे काम को लेकर कोई बातचीत कर सकते हैं। आप अपनी पारिवारिक समस्याओं को लेकर थोड़ा टेंशन में रहेंगे। ोकर बड़ा ऑर्डर मिल सकता है।

**तुला :** आज का दिन आपके लिए सेहत पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आपका कोई पुराना रोग उभर सकता है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

**वृश्चिक :** आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको अपने किसी विरोधी की बातों में आने से बचना होगा। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे।

**धनु :** आज का दिन नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, क्योंकि उन्हें कोई अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। वाहनों का प्रयोग आप थोड़ा सावधान रहकर करें। आप अपने बिजनेस में पार्टनरशिप यदि करें

**मकर :** आज का दिन आपके लिए मन मुताबिक लाभ दिलाने के लिए रहेगा। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें अच्छी सफलता मिलेगी, लेकिन किसी दूर रह रहे परिजन से आपको कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है। आपको किसी नए काम की शुरूआत करना अच्छा रहेगा।

**कुंभ :** आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपने कामों पर पूरा ध्यान देंगे और किसी जरूरी कामों को लेकर आप कहीं यात्रा पर भी जा सकते हैं। राजनीति में कार्यरत लोगों को कोई बड़ी जिम्मेदारी के साथ-साथ कोई पुरस्कार भी मिलने की संभावना है।

**मीन:** आज का दिन आपके लिए अपने जरूरी कामों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। सरकारी मामलों में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह से निपटना बेहतर रहेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपकी अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। आपको अपने किसी सहयोगी की कोई बात बुरी सकती है। माताजी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी होने की संभावना है।

**ज्योतिष सेवा केन्द्र**
**ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री**

# ऑपरेशन सिंदूर से उभरी भारत की वैश्विक दमदार छवि

संजीव ठाकुर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के जवाबी हमले से पाकिस्तान के 9 एयरबेस की तबाही और लगभग 100 दुर्दांत आतंकवादी मारे जाने के बाद भारत की छवि विश्व में एक दमदार शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरी है। अब भारत से कई देश से अस्त्र-शस्त्र की खरीदी के लिए कतार में खड़े होते दिखाई दिए हैं । भारत ने जिस तरह ब्रह्मोस मिसाइल और 400 से चीनी तथा टर्किए के 500 से ज्यादा ड्रोन तथा मिसाइल को हवा में ही ध्वस्त किया है वह अपने आप में एक वैश्विक मिसाल है। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यस्तता का श्रेय लेने की कोशिश में लगे हुए थे किंतु भारत के कठोर रुख के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना बयान बदलकर यू टर्न लेना पड़ा जिससे भारत की छवि और बेहतर हो गई है। भारत ने कूटनीतिक पहलकर पाकिस्तान की आतंकवादी छवि को स्पष्ट करने के लिए लगभग 60 सांसदों को विभिन्न देशों में भेज कर पारदर्शिता का एक अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया है भारत विश्व में अब एक बड़ी राजनीतिक, आर्थिक तथा सामरिक शक्ति बन कर उभरा है भारत में वर्तमान में अपनी वैश्विक छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुगुना किया है विदेशों में भारत की स्थिति में निरंतर सुधार हुआ है। भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बनाने के लिए कूटनीति आर्थिक व्यापारिक समझौते तथा पाकिस्तान को युद्ध में बुरी तरह परास्त करने के बाद एक बड़ी सामरिक शक्ति बनकर उभरने के अलावा इस समय बहुत बड़ा योगदान भारत के हर क्षेत्र के डिजिटलाइजेशन का भी ज्यादा रहा है भारत में डिजिटलाइजेशन के नए आयामों को छुआ है और विश्व में इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका भी निभा रहा है इसमें दो मत नही कि वर्तमान के प्रधानमंत्री का बड़ा योगदान और ऊर्जावान, दमदार वैश्विक नेता के रूप में भूमिका रही है

। पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विदेश नीति में खुलापन तथा विदेशी निवेशकों को भारत में आमंत्रित किया है उससे इसमें बड़े परिवर्तन की संभावनाओं इजाफा किया है भारत विश्व का एकमात्र सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है कई वर्षों से ब्रिटिश उपनिवेश में रहने और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी जैसे बड़े रुकावटी कारकों का से जिस तरह डटकर मुकाबला कर उस से निजात पाने का प्रयास किया है वह अत्यंत उल्लेखनीय है। कोरोना कल में भारत ने अभूतपूर्व तरीके से स्वदेशी दवाइयां का एवं अन्य उपकरणों का निर्माण कर करके एक रिकॉर्ड भी बनाया है और इस पहल के परिणाम स्वरूप भारत में करोन पर प्रभावी नियंत्रण पानी में सफलता पाई थी। इसके अलावा भारत में ऐसे संक्रमण काल में स्वदेशी निर्मित मेडिकल इंजेक्शन दवाईयां तथा उपकरणों को भी विदेशी देशों को मदद पहुंचाई थी। स्वतंत्रता मिलने के पश्चात भारत में नियोजन की नीति अपनाई तथा वर्ष 1951 में प्रारंभ पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत सभी चुनौतियों का सामना करते हुए सराहनीय प्रगति की है वर्ष 1951 से लेकर अब तक 12 पंचवर्षीय योजनाएं क्रियान्वित की जा चुकी है वर्ष 2015 में राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान की स्थापना की गई जो भारत को वैश्विक स्तर पर महाशक्ति बनाने की दिशा में सहयोग कर रहा है वैश्विक स्तर पर भारत की खेती 1990 के पश्चात निरंतर बढ़ रही है इस दिशा में 1990 के दशक में भारत सरकार द्वारा अपनाई जाने वाली उदारीकरण निजीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति का महत्वपूर्ण योगदान भी माना जा रहा है उक्त समय में भारत की दशा अत्यंत दयनीय थी इसके अतिरिक्त मुद्रास्फीति बेरोजगारी जैसी स्थित ने विकराल रूप धारण कर लिया था, किंतु विकास की नीति को अपनाने के पश्चात से भारत ने इन परिस्थितियों से निपटने के साथ ही आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों एवं विशाल जनसंख्या के उपयोग कर विश्व पटल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है भारत की विशाल जनसंख्या को आर्थिक सफलता के मजबूत स्तंभ कहा जा सकता है। भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों एवं विशाल जनसंख्या का उपयोग कर उत्पादन को कई गुना बढ़ाया है आज की स्थिति में भारत को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में देखा जा सकता है और इसे तथाकथित भावी विश्व शक्ति चीन का सबसे ताकतवर प्रतिनिधि तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का भावी सदस्य के रूप में भी देखा जा रहा है भारत में समय के अनुसार अपनी नीतियों तथा विकास के प्रति मानको में परिवर्तन कर निरंतर आर्थिक विकास की दर को प्राप्त करते हुए अधिकांश विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की है वास्तव में वर्तमान समय में भारत के ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जिससे विश्व के सभी देश किसी न किसी रूप से जुड़कर प्रभावित भी हुए हैं 1974 उल्लेखनीय रहा है क्योंकि भारत ने पोखरण में पहला परमाणु परीक्षण किया गया इसका विरोध विश्व के तमाम विकसित देशों ने बहुत जोरदार ढंग से किया भारत को काफी मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा था वर्ष 2008 में हमारे देश और अमेरिका रूस फ्रांस ब्रिटेन तथा चीन को छोड़कर पी5 के सभी सदस्य देशों के मध्य हुए असैन्य परमाणु समझौता से यह स्पष्ट हो गया था कि अब वैश्विक पटल पर भारत की अनदेखी नहीं की जा सकती है 2009 में भारत के प्रधानमंत्री का अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने कार्यालय में राजकीय अतिथि के रूप में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री का स्वागत करके कहा कि भारत अब एक परमाणु शक्ति संपन्न देश बन चुका है। यह भारत के छठे परमाणु संपन्न राष्ट्र के तौर पर मिली औपचारिक मान्यता ही थी भारत यात्रा पर आए बराक ओबामा ने कहा कि भारत अब उभरती हुई परमाणु शक्ति ही नहीं है, वह स्थापित परमाणु शक्ति बन चुका है भारत की जनसंख्या को देखते हुए भारत की क्रय शक्ति की क्षमता के मामले में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी दूरसंचार के क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है भारत अब विश्व में एक महत्वपूर्ण वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित होने की ओर अग्रसर है भारत में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अत्यधिक ख्याति प्राप्त की है, जिससे अमेरिकी विश्लेषकों के मन में भय पैदा हो गया है भारतीय औद्योगिक घराने अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी कंपनियों को खरीद कर दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी समूह बन गए हैं भारतीय मूल के विदेशी उद्योगपतियों ने भारत के बाहर रहकर भी भारत की प्रसिद्धि में वृद्धि की है। इन उद्योगपतियों में इंदिरा नूई, अरुण सरीन, सबीर भाटिया, विनोद घोसला का नाम विशेष रूप से लिया जा सकता है भारत मूल के ही सलमान रुश्दी लेखक, अमर्त्य सेन अर्थशास्त्री, झुंपा लहरी लेखिका, वेंकटरमन रामकृष्णन नोबेल पुरस्कार विजेता आदि भारतीय मूल के विदेशी नागरिक विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं

# आँचल को परचम, चुप्पी को दहाड़ कब बनाएगी स्त्री?

हरीश शिवनानी

पिछले सप्ताह पटना में हुई घटना से एक फिर यह साबित हो गया है कि स्त्री कहीं भी सुरक्षित नहीं है। और यह भी कि, वो चाहे वह गांव-देहात की अशिक्षित हो, कस्बे-कूचे की अल्पशिक्षित या फिर नगर-महानगर की उच्च-शिक्षित। इस प्रकरण ने हिंदी साहित्य के चरित्र को भी उजागर कर दिया है जो कथनी में बड़े बड़े आदर्श, नैतिकता, स्त्री-मुक्ति, उसकी गरिमा, अस्मिता और स्त्री सशक्तीकरण पर लंबे लंबे अकादमिक विमर्श रच कर उसको सात-सात सलाम ठोकता है लेकिन व्यवहार में अपने शीर्षासन को लाख-लाख जतन करने पर भी नहीं छुपा पाता। इक्कीसवीं सदी में पितृसत्तात्मकता और स्त्री सशक्तीकरण हमारे साहित्यिकों के बौद्धिक व्यायाम का प्रिय आसन रहा है। व्यवहार में इसके अर्थ-गाम्भीर्य को कितने पित्तरों या कितनी स्त्रियों को आत्मसात किया है यह विचारणीय विषय है। इसे पटना-प्रकरण से भी समझा जा सकता है। पटना कांड में जिस नई धारा संस्था के राइटर्स रेजिडेंसी का प्रसंग बताया जा रहा है उसकी भूमिका भी सवालों के घेरे में है। यह बात अब सार्वजानिक वितान में आ ही चुकी है कि रेजिडेंसी में हिंदी के एक स्त्री-द्वेषी, अश्लील टिप्पणियों के लिए बहुचर्चित, चिरविवादित वरिष्ठ कवि लेखक ने रेजिडेंसी में रह रही एक युवा कवयित्री के साथ अभद्र, अश्लील, आपत्तिजनक हरकत की है। जिसके बाद काफी बवाल मचा और अंत में बात माफीनामे पर खत्म हुई और वरिष्ठ कवि को वहाँ से बेआबरू होकर रुखसत होना पड़ा। राइटर्स रेजिडेंसी के कर्ता-धताओं ने माना है कि यहाँ लिखी गई कृष्ण-पटकथा वास्तविक है, कपोल कल्पित नहीं। प्रकरण का क्लाइमेक्स यह है पटकथा की सर्वाइवर और उत्पीड़क के बीच चालीस बरस का फासला है। उसकी बेटी से भी छोटी। इस भदेस प्रकरण से हिंदी साहित्य की दुनिया को भी उबाल दिया। हर तरफ से लानत-मलानत होने के साथ ही वरिष्ठ कवि के सार्वजनिक, साहित्यिक बहिष्कार की मांग करने के साथ जनवादी लेखक संघ, जन संस्कृति मंच के कड़ी भर्त्सना की तो राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ ने उसे संगठन से बाहर का ही रास्ता दिखा दिया। इन सबके बावजूद महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह उठता है कि समाजिक, नैतिक और सबसे बढ़कर कानूनी रूप से एक अपराध की श्रेणी में आने वाले कृत्य के आरोपी के खिलाफ कानूनी कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे? पुलिस में मामला दर्ज क्यों नहीं करवाया जा रहा है? स्त्री-मुक्ति के डंडों से पितृसत्तात्मकता के खिलाफ ढोल पीटने वाली स्वयं कवयित्री और उसकी समर्थक स्त्रीवादी कवि-लेखक समाज चुप्पी क्यों धारण करके बैठा हैं। इन पितृसत्तात्मक चुप्पियों ने ही को स्त्री को डुबोने का हथियार थमाया है। गौरतलब बात तो यह है कि पटना की घटना की सर्वाइवर किसी गांव-देहात या कस्बे की घूंघट या पल्लू ओढ़े बैठी रहने वाली कोई परंपरागत महिला नहीं, शहर की आधुनिक उच्च शिक्षित, आधुनिक, बिंदास जीवन शैली जीने वाली हिंदी-अंग्रेजी साहित्य की अध्येता है। इस अभद्र प्रकरण में उसकी चुप्पी का समर्थन करने वाले-वालियों के भी अपने तर्क हैं। सोशल कंडीशनिंग की तरह बड़े जतन से पनपाए गए कुछ प्रलोभन, कुछ भय भी स्त्री को कानूनी कदम उठाने से रोकते हैं। दरअसल हिंदी साहित्य और समाज की संरचना विक्टिम ब्लेमिंग नहीं, सत्ता के अनुरूप रंग बदलती है। बरसों से क्रांति की अलख जगाने वाले, व्यवस्था को जड़ से उखाड़ फेंकने का फतवा जारी करने वाले क्रांतिकारी हिंदी लेखक ऐसे किसी मसले पर एकजुट नहीं हो सकते।

# शिक्षा सेवा चयन के बाहर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन

### बार-बार टीजीटी-पीजीटी परीक्षा स्थगित होने अभ्यर्थियों में आक्रोश, उप सचिव से वार्ता बेनतीजा

भारत संवाद

प्रयागराज, 3 साल पहले विज्ञापित टीजीटी-पीजीटी परीक्षाएं बार बार स्थगित होने से युवा मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। शिक्षा सेवा चयन आयोग के गठन और अध्यक्ष व अन्य अधिकारियों की नियुक्ति के बाद कई बार इन परीक्षाओं को स्थगित किया गया।इसी को लेकर युवा आज सोमवार को बड़ी संख्या में शिक्षा आयोग पर जुटे थे। वह अधिकारियों से आश्वासन चाहते थे कि इन दोनों परीक्षाओं की तिथि निर्धारित की जाए, साथ ही पुनः स्थगित न हो इसे सुनिश्चित किया जाए। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह की अगुवाई में छात्रों के प्रतिनिधि मंडल ने उप सचिव से वार्ता की जो एक तरह बेनतीजा रही क्योंकि आयोग द्वारा परीक्षा तिथि निर्धारित करने और उन परीक्षा तिथियों में हर हाल में परीक्षा आयोजित कराने को लेकर आश्वासन देने से इंकार कर दिया। इसके बजाय आयोग द्वारा वही पुराना राग अलापा गया कि आयोग की मीटिंग में परीक्षा तिथियां निर्धारित की जाएंगी। इसके अलावा किसी तरह का ठोस आश्वासन नहीं दिया गया कि अब जो परीक्षा तिथि तय की जाएंगी उन तिथियों में परीक्षाओं को हर हाल में आयोजित करा लिया जाएगा। उप सचिव का कहना है कि जुलाई में कोई भी परीक्षा नहीं होगी लेकिन आयोग अभी यह निर्णय नहीं ले पाया है कि कोई पक्की तारीख आप सभी को दी जा सके।

# कांशीराम आवास योजना झलवा में रह रही महिलाओं ने लखनऊ जाकर मंत्री नन्दी से की मुलाकात

### जनता दर्शन के दौरान मंत्री नन्दी ने महिलाओं से मुलाकात कर सुनी उनकी समस्यांए

भारत संवाद

- मंत्री नन्दी ने डीएम से वार्ता कर महिलाओं के निर्वासन की व्यवस्था करने एवं आवास खाली करने के लिए समय देने का दिया निर्देश
- महिलाओं ने कांशीराम आवास योजना में कुछ अराजक तत्वों द्वारा कई आवासों को कब्जा कर मनमानी करने की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई का दिया आदेश

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने सोमवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास 6 कालीदास मार्ग पर जनता दर्शन कर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनी और सम्बंधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर तत्काल समस्याओं के निवारण का निर्देश दिया। वहीं प्रयागराज शहर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र के देवघाट झलवा के कांशीराम आवास योजना में परिवार के साथ किराए पर रहने वाली महिलाओं ने प्रयागराज से लखनऊ जाकर मंत्री नन्दी से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात करते हुए प्रशासन द्वारा निष्कासन की कार्रवाई को रोकते हुए मदद की गुहार लगाई। जिस पर मंत्री नन्दी ने जिलाधिकारी प्रयागराज से मोबाइल पर वार्ता कर किराए पर रह रहे परिवारों के निर्वासन की व्यवस्था करने एवं आवासों को खाली करने के लिए उचित समय देने का निर्देश दिया। साथ ही कांशीराम आवास योजना परिसर में कई आवासों की कब्जा कर वहां मनमानी करने वाले, अवैध कार्य करने वाले कुछ अराजक एवं अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई किए जाने के आदेश दिए। देवघाट झलवा के कांशीराम आवास योजना के कई मुख्य आवंटियों द्वारा आवास योजना में न रहने और अपना आवास किराए पर देकर किराया वसूलने की शिकायत पिछले दिनों जिलाधिकारी प्रयागराज रवींद्र कुमार मांदड़ से की गई थी। जिस पर जिलाधिकारी ने एसडीएम से जांच कराई तो 34 ब्लॉकों में 512 मकान में 95 मकान ऐसे मिले जिसमें आवास आवंटी नहीं, बल्कि किराएदार रहते हुए मिले थे। जिस पर किराए पर आवास उठाने वाले आवंटियों के खिलाफ कार्रवाई के साथ ही किराएदारों को जल्द से जल्द कमरे खाली करने के आदेश दिए गए।जिससे किराए पर रह रहे परिवार खुले आसमान के नीचे आने को मजबूर हो गए।

फास्ट ट्रैक

# जिलाधिकारी मा0 जनप्रतिनिधिगण के साथ बैठक कर सुनी समस्याएं, निस्तारण के दिए निर्देश

भारत संवाद

मीरजापुर , जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के मा0 जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर आमजनो की शिकायतो को लेकर समस्याओं को सुना। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अपना दल एस इंजीनियर राम लौटन बिन्द, मा0 सांसद राज्यसभा अरूण सिंह के प्रतिनिधि धंनजय पाण्डेय, मा0 विधायक नगर के प्रतिनिधि राजेश अग्रवाल, मा0 विधायक चुनार के प्रतिनिधि आलोक सिंह उपस्थित रहें। बैठक में जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन ओम प्रकाश सिंह ने मा0 जनप्रतिनिधिगण के द्वारा अपने क्षेत्र के उठाए गए समस्याओ को सुना तथा सम्बन्धित अधिकारियों को तवरित निस्तारण निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रतिनिधिगण के द्वारा उठाए गए समस्यो को प्राथमिकता पर निस्तारण कराया जाएगा।

## थाना राजगढ़ पुलिस द्वारा चोरी के दो अलग-अलग अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार , कब्जे से चोरी के सामान बरामद

थाना राजगढ़, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 28.06.2024 को वादी राम प्रवेश पुत्र बाबुलाल निवासी ग्राम खोराडीह थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर द्वारा अज्ञात चोरो के विरुद्ध मोनो ब्लाक व स्टाटर चोरी के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना राजगढ़ पर मु0अ0सं0-109/2025 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत की गयी ।इसी क्रम में दिनांकः 29.06.2024 को वादी चन्दन सिंह पुत्र सुदामा सिंह निवासी सीता बहार थाना करमा जनपद सोनभद्र द्वारा अज्ञात चोरो के विरुद्ध वादी के सोते समय गले की चेन व मोबाइल फोन चोरी के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना राजगढ़ पर मु0अ0सं0-110/2025 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए उक्त दोनों घटना से सम्बन्धित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु थाना निरीक्षक राजगढ़ को निर्देश दिए गए ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना राजगढ़ पर पंजीकृत उपरोक्त दोनों अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः 30.06.2024 को उप-निरीक्षक रमेश प्रसाद व उप निरीक्षक सुरेश सिंह यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना राजगढ़ क्षेत्र से विवेचना के दौरान प्रकाश में आये 02 नफर अभियुक्त 1.राम सिंह चौहान पुत्र स्व0 राम निहोर निवासी ग्राम खोराडीह थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर व 2.संदीप यादव पुत्र अमरेश यादव निवासी ग्राम सरसो थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया ।गिरफ्तार अभियुक्त राम सिंह चौरान के कब्जे से चोरी गयी 01 अदद मोनो ब्लाक व स्टाटर बरामद किया गया तथा अभियुक्त संदीप यादव उपरोक्त के कब्जे से चोरी गयी 01 अदद चैन (पीली धातू) व 01 अदद मोबाइल फोन बरामद किया गया । थाना राजगढ़ पर पंजीकृत उपरोक्त दोनों मुकदमों में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

## थाना लालगंज पुलिस द्वारा 03 नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना लालगंज पुलिस द्वारा 03 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः 30.06.2025 को उप निरीक्षक विजय कुमार मय पुलिस टीम द्वारा 03 नफर वारण्टी 1. खजाची पुत्र मुन्नी लाल, 2. देवी हरिजन पुत्र त्रिभुवन निवासीगण बामी थाना लालगंज जनपद मीरजापुर व 3. लालमनी पुत्र साधु निवासी धसड़ा थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

# रेलवे ने 1 जुलाई 2025 से रेल यात्रियों के लिए मूल किराया तर्कसंगत बनाया

भारत संवाद

साधारण श्रेणी में 500 किलोमीटर तक कोई वृद्धि नहीं; 501 से 1500 किलोमीटर की दूरी के लिए 5 रुपये और 2500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए 10 रुपये तथा 2501 से 3000 किलोमीटर की दूरी के लिए 15 रुपये की वृद्धि किराया संरचनाओं को सुव्यवस्थित करने और यात्री सेवाओं की वित्तीय स्थिरता बढ़ाने के उद्देश्य से, रेल मंत्रालय ने 01 जुलाई 2025 से यात्री ट्रेन सेवाओं के मूल किराए को युक्तिसंगत बना दिया है। संशोधित किराए भारतीय रेलवे सम्मेलन संघ (आईआरसीए) द्वारा जारी अद्यतन यात्री किराया तालिका पर आधारित हैं।

किराया युक्तिकरण की मुख्य विशेषताएं (1 जुलाई 2025 से प्रभावी):

उपनगरीय एकल यात्रा किराये और सीजन टिकटों (उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों मार्गों के लिए) में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

साधारण गैर-एसी श्रेणियों (गैर-उपनगरीय रेलगाड़ियों) के लिए:

द्वितीय श्रेणीः प्रति किलोमीटर आधा पैसा बढ़ाया जाएगा, यह निर्भर करेगा

500 किलोमीटर तक कोई बढ़ोतरी नहीं

501 से 1500 किलोमीटर की दूरी के लिए 5 रुपये की बढ़ोतरी

1501 से 2500 किलोमीटर की दूरी के लिए 10 रुपये की बढ़ोतरी

2501 से 3000 किलोमीटर की दूरी के लिए 15 रुपये की बढ़ोतरी

स्लीपर क्लासः 0.5 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी

प्रथम श्रेणीः 0.5 पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि

मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए (गैर-एसी):

द्वितीय श्रेणीः 01 पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि

स्लीपर श्रेणीः 01 पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि

प्रथम श्रेणीः 01 पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि

एसी श्रेणी के लिए (मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें):

एसी चेयर कार, एसी 3-टियर/3-इकोनॉमी, एसी 2-टियर, और एसी फर्स्ट/ एग्जीक्यूटिव क्लास/ एग्जीक्यूटिव अनुभूतिः 02 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी

संशोधित श्रेणी-वार किराया संरचना के अनुसार किराया संशोधन प्रमुख और विशेष ट्रेन सेवाओं जैसे राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, तेजस, हमसफर, अमृत भारत, महामना, गतिमान, अंत्योदय, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, एसी विस्टाडोम कोच, अनुभूति कोच और सामान्य गैर-उपनगरीय सेवाओं पर भी लागू होता है।

सहायक शुल्क में कोई परिवर्तन नहींः

आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार और अन्य शुल्क अपरिवर्तित रहेंगे।

जीएसटी नियमों के अनुसार लागू रहेगा।

किराया राउंडिंग सिद्धांत मौजूदा मानदंडों के अनुसार बने रहेंगे।

कार्यान्वयन

संशोधित किराया 01.07.2025 को या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर लागू होगा। इस तिथि से पहले जारी किए गए टिकट किराये में बिना किसी सुधार के मौजूदा किराए पर वैध रहेंगे। पीआरएस, यूटीएस और मैनुअल टिकटिंग सिस्टम को तदनुसार अपडेट किया जा रहा है। रेल मंत्रालय ने संशोधित किराया संरचना का सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सभी जोनल रेलवे को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। जोनल रेलवे को सभी स्टेशनों पर किराया डिस्प्ले अपडेट करने का भी निर्देश दिया गया है।

# मण्डल रेल प्रबंधक ने उत्कृष्ट संरक्षा कार्य के लिए कर्मचारियों को पुरस्कृत किया

भारत संवाद

आज दिनांक 30.06.2025 को मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल ने मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय के संकल्प सभागार में सतर्कता पूर्वक कार्य करने वाले 19 कर्मचारियों को नकद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया । इस अवसर पर वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी, श्री यूसी शुक्ला; वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/परिचालन, श्री प्रदीप शर्मा; वरिष्ठ मण्डल मैकेनिकल इंजीनियर/कोचिंग, श्री शिव सिंह; वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक/समन्वय, श्री आकांशु गोविल वरिष्ठ; मण्डल इंजीनियर/समन्वय, श्री सीताराम प्रजापति; वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/सामान्य, श्री कुँवर सिंह यादव; वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, श्री वीरेन्द्र वर्मा; वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/कोचिंग, श्री आकाश श्रीनेत्र एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज ने कर्मचारियों के कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने जिम्मेदारी से कार्य करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन किया जिससे दुर्घटनाओं को रोक जा सका । आप सभी को भविष्य में इसी तरह से अच्छा कार्य करना है, आपके बेहतर कार्य से आपके साथी कर्मचारियों को अधिक अच्छा कार्य करने की प्रेरणा मिलती है । रेल का सुरक्षित और संरक्षित परिचालन हम सभी की जिम्मेदारी है । पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों ने हाट एक्सल, फ़्लैट टायर, हैंगिंग पार्ट, हैवी ब्रेक बाइंडिंग, स्प्रिंग ब्रोकन असामान्य आवाज, यात्री का गाड़ी से गिरना जैसी घटनाओं पर तत्काल कार्यवाही की जिससे दुर्घटनाओं को रोक जा सका । मण्डल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल से पुरस्कार प्राप्त करने वाले 19 कर्मचारी श्री नितीश कुमार, गुड्स ट्रेन मैनेजर/चुनार, श्री आकाश कुमार गुप्ता, स्टेशन मास्टर/बिरोही; श्री विनोद कुमार गुप्ता, स्टेशन अधीक्षक/गैपुरा; श्री हरेन्द्र कुमार, स्टेशन मास्टर/मानिकपुर; श्री रोहित कुमार, स्टेशन मास्टर/औंग; श्री अमित कुमार, पॉइंट्समैन/चकेरी; श्री विकास कुमार-कक, वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर, गुड्स/जीएमसी; सुश्री रश्मी कुमारी, ट्रेन मैनेजर/न्यू कानपुर; श्री सुधीर कुमार सलोनी, स्टेशन मास्टर/पनकीधाम; श्री राजेश कुमार, स्टेशन मास्टर/बलरई; श्री श्याम बाबू प्रजापति, ट्रैकमेंटेनर-कश/जिवनाथपुर; श्री रामाश्रय सिंह यादव, ट्रैकमेंटेनर-ककक/पनकीधाम; श्री नितेश कुमार नूतन, लोको पायलट/प्रयागराज छिवकी; श्री मो. सुफियान, सहायक लोको पायलट/प्रयागराज छिवकी; श्री अनिल कुमार, तकनीशियन-ककक/कै&वै/प्रयागराज; श्री राम किशोर, तकनीशियन-क/कै&वै/कानपुर; श्री ब्रिजेन्द्र सिंह, सहायक/कै&वै/कानपुर; श्री शैलेश कुमार यादव, तकनीशियन-क/कै&वै/कानपुर; श्रीमती मीना देवी, तकनीशियन-क/कै&वै/टूण्डला हैं ।

# प्रयागराज मंडल में जून, 2025 में 80 रेल सेवक हुए सेवानिवृत्त

भारत संवाद

प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे, से दिनांक 30.06.2025 को 80 रेल सेवक सेवानिवृत्त हुए। इन सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों में से अवधेश बहादुर सिंह, चंद्रभान, जगराम प्रसाद मीणा, कमलेश कुमार श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार दत्ता, राजेश कुमार, सलीम अहमद, सूबेदार, रमेश कुमार, सुभाष चंद्र एवं वेदप्रकाश को सुरक्षित एवं संरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए एक्सीडेंट फ्री अवार्ड से सम्मानित किया गया । इस माह सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को कुल लगभग 33,40,08,234 रूपए का समापन भुगतान नियमानुसार डिजिटल माध्यम से किया गया। प्रयागराज मंडल कार्यालय के मंडल सभागार में अपर मण्डल रेल प्रबंधक/सामान्य, श्री संजय सिंह एवं मण्डल कार्मिक अधिकारी, श्री के एल जयसवाल द्वारा सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों को समापन भुगतान से संबंधित समस्त प्रपत्रों के साथ स्मृति चिन्ह के रूप में गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मैडल सम्मान सहित सौंपा गया। मंडल कार्मिक अधिकारी श्री के. एल. जायसवाल द्वारा सेवानिवृत्ति के उपरांत कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले भुगतान, मानार्थ पास, HRMS एवं UMID की सुविधाओं के विषय में जानकारी प्रदान किया गया क अपर मंडल रेल प्रबंधक

महोदय ने सभी सेवानिवृत कर्मचारियों को रेल सेवा में उनके योगदान की सराहना करते हुए उनके आगामी पारिवारिक जीवन में स्वस्थ एवं सक्रिय रहने की कामना की कार्मिक विभाग एवं लेखा विभाग की टीम ने अथक परिश्रम करते हुए इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

## केंद्रीय कारागार नैनी व जिला कारागार में लोकपाल विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

### लोकपाल विषय के बारे में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दी गई जानकारी

भारत संवाद

आज दिनांक 30.06.2025 को उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश अनुसार व मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रयागराज श्री संजीव कुमार के निदेर्शानुसार श्री दिनेश कुमार गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज की अध्यक्षता में केंद्रीय कारागार नैनी प्रयागराज व जिला कारागार प्रयागराज में लोकपाल विषय पर विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त विषय पर इलाहाबाद विश्वविद्याल, सी.एम.पी. विधि कॉलेज, जी सिंह विधि कॉलेज प्रोफेसर राजेंद्र सिंह विधि संकाय के छात्र एवम छात्राओ द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोकपाल के बारे में अवगत कराया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिनेश कुमार गौतम द्वारा समस्त निरुद्ध बंदियों को विधिक जानकारी प्रदान की गई। पूर्व डीन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय व अतिथि प्रवक्ता प्रोफेसर राजेंद्र सिंह विधि संकाय श्री आर.के. चौबे द्वारा बंदियों को कानूनी जानकारी प्रदान की गई। तत्समय कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक श्री रंग बहादुर, जिला कारागार के डिप्टी जेलर श्री यस. पी. सिंह सहित कारागार के अन्य अधिकारी के साथ डिफेंस काउंसिल श्री गौरव सिंह व अखिलेश प्रताप सिंह उपस्थित रहे। यह जानकारी श्री दिनेश कुमार गौतम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागराज द्वारा प्रदान की गई।

# महापौर ने ठाना है प्रयागराज के हर घर में जल पहुंचाना है

### तीन वार्डों में पानी की समस्या का समाधान महापौर ने गोविंदपुर, नैनी चकदोंदी, कीडगंज चौखंडी में किया ट्यूबवेल का लोकार्पण

भारत संवाद

प्रयागराज , दिन सोमवार को महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने नगर निगम के अंतर्गत वार्ड नंबर 72 गोविंदपुर, वार्ड नंबर 66 चकदोंदी, वार्ड नंबर 94 चौखंडी में बड़े ट्यूबवेल का लोकार्पण कर क्षेत्र की जनता को समर्पित किया ।महापौर ने कहा इससे क्षेत्र वासियों को पानी की समस्या से निजात मिलेगी और उन्हें पर्याप्त पानी मिलेगा, बड़े ट्यूबवेल से क्षेत्र में पानी की उपलब्धता में वृद्धि होगी और निवासियों को पर्याप्त पानी मिलेगा, इससे क्षेत्र की पानी की समस्या का समाधान होगा और निवासियों को राहत मिलेगी, महापौर के इस कदम से क्षेत्र के विकास में सुधार होगा और निवासियों के जीवन स्तर में भी सुधार होगा ।क्षेत्र वासियों ने महापौर के इस सराहनीय कार्य के लिए आभार व्यक्त किया है और उनका मानना है कि माननीय महापौर गणेश केसरवानी जी के द्वारा वर्षों से पानी की समस्या का समाधान खत्म हुआ ।इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद गण रूद्रसेन जायसवाल, नीलम शुक्ला, पार्षद मुकेश लारा, राकेश जयसवाल, अनुप पासी कार्यक्रम में महा प्रबंधक जलकल विभाग कुमार गौरव,

अधिशासी अभियंता जलकल मनोज चौधरी, संघ भूषण, सहायक अभियंता शिवम मिश्रा, अवर अभियंता जलकल दीपक यादव एसपी सिंह, राजन शुक्ला, प्रमोद जायसवाल मोदी, गिरीजेश मिश्रा सुभाष वैश्य भोला सिंह रजत दुबे, दिलीप केसरवानी, मनोज मिश्रा, ओम प्रकाश मिश्रा, अंकुश शर्मा मोनू, गिरधारी सिंह सत्येंद्र तिवारी, बबलू तिवारी राजेश तिवारी,ज्ञानेंद्र सिंह मणि शंकर शुक्ला दिनेश सिंह श्याम मिश्रा श्रीकांत केसरवानी हरीश केसरवानी, टी एन दीक्षित, अमर सिंह ललन जी शर्मा हेमंत पांडेय चिंटू राजकुमार शर्मा अंकित शर्मा विपुल पांडे रामनाथ वैद्य शांतनु शर्मा प्रियम वैध इशू केसरवानी आदि।

उत्सव

### स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी की गरिमामयी उपस्थिति

# पूज्य दलाई लामा जी के 90वें जन्मदिवस पर मैक्लॉडगंज में पूरे सप्ताह आध्यात्मिक उत्सव

भारत संवाद

- हिमालय की हरित भेंट रूद्राक्ष का पौधा और इलायची की माला पहनाकर अवतरण दिवस की शुभकामनायें दी

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश । बौद्ध धर्म के परम पावन आध्यात्मिक गुरु, करुणा व शांति के पुंज, 14वें दलाई लामा जी के 90वें जन्मदिवस के पावन अवसर पर मैक्लॉडगंज, धर्मशाला में सप्ताहव्यापी भव्य समारोहों की शुरूआत हो चुकी है। यह उत्सव सम्पूर्ण मानवता के लिए एक प्रेरणास्रोत है। इस पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और साध्वी भगवती सरस्वती जी की गरिममायी उपस्थिति रही।पूरे सप्ताह चलने वाले इन आयोजनों में पारंपरिक अनुष्ठानों, प्रार्थना सभाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है, जिनके माध्यम से उनके शांति, अहिंसा और करुणा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस शुभ अवसर पर दुनिया भर से हजारों अनुयायी, श्रद्धालु, बौद्ध भिक्षु और सामाजिक कार्यकर्ता मैक्लॉडगंज पहुँचे हैं। तिब्बती समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ-साथ भारत व विदेशों के भी अनेक आध्यात्मिक, राजनयिक और सांस्कृतिक प्रतिनिधि इस आयोजन में भाग ले रहे हैं। धर्मशाला इस समय आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक उत्सव का जीवंत केंद्र बन चुका है।

पूज्य दलाई लामा जी का सम्पूर्ण जीवन करुणा, मैत्री और अहिंसा की भावना को समर्पित रहा है। वे न केवल तिब्बती बौद्ध धर्म के सर्वोच्च नेता हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर मानवता के प्रतीक हैं। उनका यह संदेश कि हम सभी एक मानव परिवार के सदस्य हैं

आज के समय में विशेष रूप से प्रासंगिक है, जब विश्व असहिष्णुता, संघर्ष और विभाजन की चुनौतियों से जूझ रहा है।

इस अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने शुभकामनाएं देते हुए कहा परम पवन दलाई लामा जी का जीवन समर्पण, सेवा और शांति का आदर्श है। वे समस्त विश्व के लिए एक ऐसे दीपस्तंभ हैं जो अज्ञान और हिंसा के अंधकार में प्रेम, करुणा और जागरूकता की ज्योति जलाते हैं। भारत की भूमि पर उनका सान्निध्य हम सभी के लिए एक दिव्य सौभाग्य है।

हम इस धरती पर हैं तो शांति के लिए हैं, न कि टुकड़ों में बाँटने के लिए इस दुनिया को बेहतर बनाने के लिए हैं, न कि कड़वाहट फैलाने के लिए। हम अपने चारों ओर और पूरी दुनिया में युद्ध को देख रहे हैं, ऐसे समय में परम पावन दलाई लामा जी का शांति और करुणा का संदेश अत्यंत आवश्यक है। उनका यह संदेश केवल तिब्बत या भारत के लिए नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए है। यही संदेश हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का भी है।

पूरे विश्व का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि हिंसा नहीं, अहिंसा ही एकमात्र रास्ता है, युद्ध नहीं, प्रेम (वार नहीं प्यार) में ही सब समस्याओं का समाधान निहित है। स्वामी जी ने कहा कि पूजा-पद्धति अपनी-अपनी हो सकती है, परंतु सम्मान सबका होना चाहिए, यही जीवन जीने का मार्ग है।

स्वामी जी ने कहा कि पूरा भारत परम पावन दलाई लामा जी को प्यार करता है। भारत में जो भी आया, भारत ने उसे दिल से अपनाया, गले लगाया और सम्मान दिया, यही भारत की संस्कृति है।

# 04 से 06 जुलाई तक लखनऊ के अवध शिल्पग्राम में आयोजित होगा आम महोत्सव

### आम महोत्सव-2025 में आम की विभिन्न किस्मों एवं उत्पादों को होगा प्रदर्शन

- विशेषज्ञो एवं प्रगतिशील किसानों द्वारा आयोजित किया जायेगा विशेष सत्र
- किसानों, स्टार्टअप्स एवं उद्यमियों को एक मंच प्रदान करेगा आम महोत्सव -उद्यान मंत्री श्री दिनेश प्रताप सिंह

भारत संवाद

लखनऊ : उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2025 में अधिक से अधिक आम की विशिष्ट किस्मों को प्रदर्शित किया जाय। किसानों तथा किसानों के आम को महोत्सव तक लाने एवं ले जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय, जिससे किसाने को किसी प्रकार की समस्या न हो। इसके साथ ही विशिष्ट किस्म के आम उत्पादकों, विशेषज्ञों, प्रगतिशील किसानों द्वारा तकनीकी सत्र के माध्यम से अन्य किसानों को प्रोत्साहित किया जाय। उक्त निर्देश प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने सोमवार को लखनऊ के अवध शिल्पग्राम में बैठक एवं निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिये ।उद्यान मंत्री ने कहा कि 04 से 06 जुलाई, 2025 तक चलने वाले तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2025 में विशेष सत्रों के माध्यम से निर्यात, प्रसंस्करण और आधुनिक बागवानी तकनीकों को बढ़ावा दिया जाय। महोत्सव में देश-विदेश के निर्यातक, आम उत्पादक, बागवान, वैज्ञानिक और आम प्रेमी के विचारो को किसानों के बीच साझा किया जाय। ताकि प्रदेश के किसान अपनी फसलों में नवाचार कर कम लागत में निर्यातयुक्त फसल पैदा कर सके ।उद्यान मंत्री ने आम महोत्सव कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि आम प्रदर्शनी, आम व्यंजन प्रतियोगिता, बागवानी नवाचार स्टॉल, किसानों के लिए तकनीकी सत्र तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाय। आम की विभिन्न प्रजातियों की प्रदर्शनी को अधिक आकर्षक और जनरुचिकर बनाया जाए। उन्होंने कहा कि आम महोत्सव की तैयारियों एवं स्टाल पंजीकरण हेतु आधुनिक तकनीकों का भी प्रयोग किया जाय। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पिछले बार की अपेक्षा इस बार और बेहतर एवं विविधता के साथ आम महोत्सव को प्रदर्शित किया जाना है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव न केवल हमारे राज्य के समस्त किसानों, स्टार्टअप्स एवं उद्यमियों को एक सम्मानजनक मंच प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें सरकार द्वारा अनुसंधान, बागवानी, प्रसंस्करण एवं प्रौद्योगिकी से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं से भी जोड़ेगा।

## रोहतक में नेशनल थैलेसीमिया सेमिनार में टीम एफबीडी सम्मानित

भारत संवाद

सहारनपुर। हरियाणा के रोहतक में हम और आप सोशल वेलफेयर सोसाइटी व रक्तगिरी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में नेशनल थैलेसीमिया सेमिनार एवं सम्मान समारोह के अंतर्गत एक कदम द थैलेसीमिया मुक्त समाज की ओर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें देश के अलग अलग राज्यों से रक्तदान क्षेत्र में सेवा देने वाली संस्थाओं ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में जनपद की प्रतिष्ठित संस्था फैमिली ऑफ ब्लड डोनर्स ट्रस्ट को भी आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर संस्था से वरिष्ठ सदस्य अश्वनी कुमार मित्तल, सोनिया कपूर, मनीष सैनी, विकास पंवार, अभयराज, योगेश पंवार, तरुण भोला और पंकज कुमार पांचाल ने भाग लिया।

फैमिली ऑफ ब्लड डोनर्स ट्रस्ट जनपद के जिला अस्पताल ब्लड बैंक के साथ-साथ मेडिकल कॉलेज पिलखनी पीजीआई ब्लड बैंक को भी नियमित रक्तदान शिविर से सहयोग करती है जिससे वहाँ पर भर्ती मरीजों और थैलेसीमिया रोगियों को समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। अध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि हम और आप सोशल वेलफेयर सोसाइटी व रक्तगिरी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में यह आयोजन थैलेसीमिया मुक्त भारत की ओर एक सार्थक पहल है। उन्होंने आगे बताया कि यह सभी रक्तदान सेवाकार्य जनपद के रक्तदाताओ के नियमित सहयोग से ही सम्भव है इसलिए यह सम्मान हर एक रक्तदाता का है जो संस्था से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए है।

# राष्ट्रीय त्यागी भूमिहार ब्राह्मण समाज समिति की बैठक सम्पन्न

### ब्राह्मण त्यागी समाज एकता के साथ अपनी शक्ति का परिचय दें: चेतन शर्मा

भारत संवाद

सहारनपुर। ब्रजेश नगर स्थित कुबेर दत्त त्यागी के निवास स्थान पर राष्ट्रीय त्यागी भूमिहार ब्राह्मण समाज समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री उमेश त्यागी (राज विहार) द्वारा की गई, तथा संचालन श्री सुशील त्यागी ने किया।

इस बैठक में समिति के जिला अध्यक्ष श्री अजय त्यागी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य विषय समाज में एकता, सहयोग एवं समन्वय को बढ़ावा देना था। सभी सदस्यों ने इस बात पर बल दिया कि समाज को संगठित रूप से आगे बढ़ाने हेतु सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे उमेश त्यागी ने अपने विचार रखते हुए कहां कि त्यागी समाज और ब्राह्मण समाज एक ही परिवार के लोग हैं। समाज के युवा एक मंच पर आकर आज कुरीतियों को समाप्त करने का संकल्प लें।जिला अध्यक्ष अजय त्यागी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि हमें अपने समाज को संगठित करना होगा अगर हमारा समाज संगठित होगा, हमारा संगठन मजबूत होगा, तो वह हमारा राजनीतिक भविष्य भी सुनिश्चित कर सकता है, इसलिए सभी अपनी पार्टी लाइन से ऊपर उठाते हुए अपने समाज के संगठन को मजबूत बनाएं।

ब्राह्मण नेता चेतन शर्मा (पठेड) ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि त्यागी और ब्राह्मण दोनों को एक मंच पर आना होगा हम दोनों परशुराम वंशज है तभी हम अपना राजनीतिक वजूद बना सकते हैं हमें राजनीतिक पार्टियों को दरकिनार करते हुए सभी त्यागी, ब्राह्मण समाज के नेताओं को भी समाज के एक ही मंच पर आना होगा, तभी हम सभी राजनीतिक दलों को एक मैसेज दे सकते हैं, कि हमारा समाज संगठित है और हम समाज के अभिन्न अंग है, उसके बाद हमारे लिए राजनीतिक पार्टियां है। क्योंकि लोकतंत्र में संख्या बल की वैल्यू है जब तक हम संख्या बल नहीं दिखाएंगे तब तक हमारे समाज को अनदेखा करने का प्रयास ही किया जाएगा

फास्ट ट्रैक

## जल निकासी के लिए युद्ध स्तर पर जुटी निगम की टीमें

### महापौर डॉ. अजय कुमार ने नगर विधायक के साथ लिया जायजा

सहारनपुर। बीती सारी रात भारी बारिश के चलते शहर के कुछ क्षेत्रों में जलभराव होने पर नगर निगम की टीमें अपने पूरे संसाधनों के साथ सुबह पांच बजे से ही जल निकासी के लिए युद्ध स्तर पर जुटी हैं। उधर महापौर डॉ. अजय कुमार ने भी नगर विधायक के साथ अनेक वार्डों का दौरा किया और जल निकासी कार्य का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बीती रात भारी जलवर्षा से शहर के निचले इलाकों एवं कुछ अन्य क्षेत्रों में जलभराव को देखते हुए नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर नगर निगम की टीमें सुबह पांच बजे से ही बारिश के बीच जल निकासी कार्य में जुट गयी । पिंजौरा के निकट ढमोला नदी में जलकुंभी आ जाने के कारण मशीन लगाकर युद्ध स्तर पर उसे साफ कराया गया ताकि ढमोला में जलप्रवाह निरंतर बना रहे। नगरायुक्त शिपू गिरि ने बताया कि शहर के निचले और जलभराव वाले इलाकों में लगाये गए मढ़ पम्प के अलावा सक्सन मशीनों द्वारा भी लगातार जल निकासी की जा रही है। उधर महापौर डॉ. अजय कुमार ने नगर विधायक राजीव गुंबर के साथ साकेत कॉलोनी, वार्ड 42 के संत नगर व सेतिया विहार आदि क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया तथा वहां एक नाले की दीवार क्षतिग्रस्त हो जाने पर उसे बनवाने के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। महापौर ने बताया कि उन्होंने शहर के अनेक क्षेत्रों का जायजा लिया है। निगम की टीमें लगातार सुबह से जल निकासी के लिए समर्पित भाव से काम कर रही है। इस दौरान निगम के नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. प्रवीण शाह, अधिशासी अभियंता निर्माण आलोक श्रीवास्तव के अलावा क्षेत्रीय पार्षद अमित त्यागी, पार्षद के के बत्रा, पार्षद मयंक गर्ग व मंडल अध्यक्ष गोपाल मेहंदीरत्ता आादि भी मौजूद रहे।

## बीएस-4 मालवाहक वाहन: सरकार का जल्दबाजी में लिया निर्णय: ललित पोपली

सहारनपुर। ट्रांसपोर्ट यूनियन के वरिष्ठ नेता ललित पोपली ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा 1 नवम्बर 2025 से बीएस-4 श्रेणी के डीजल कमर्शियल वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध की घोषणा ने ट्रांसपोर्ट उद्योग में हलचल मचा दी है। पर्यावरण संरक्षण के नाम पर लिया गया यह निर्णय, अब लाखों ट्रांसपोर्टर्स और उनके कर्मचारियों के रोजगार पर सीधा प्रहार करता दिख रहा है। इससे इस व्यवसाय से जुड़े लाखों लोगों के समक्ष रोजी रोटी का भीषण संकट गहरा जायेगा। उन्होंने इस फैसले को जल्दबाजी में लिया गया फैसला बताया और कहा कि क्या अब 2020-21 में खरीदे गए वाहन सिर्फ 5-6 साल ही चल पाएंगे, जबकि उनकी वैधता 10 साल तक की होती है। ऐसे में उन लोगों का क्या होगा जिन्होंने लोन लेकर गाड़ियाँ खरीदीं, उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस आदेश पर पुनर्विचार नहीं हुआ तो बड़ा ट्रांसपोर्ट आंदोलन खड़ा होगा। उन्होंने मांग की कि सरकार को ट्रांसपोर्टरों के हितों, रोजगार और आर्थिक दबाव को ध्यान में रखकर कोई समझदारी भरा विकल्प लाना चाहिए।

## आपरेशन सहायता बना वट वृक्ष विशाल नारंग

सहारनपुर। अंबाला रोड स्थित स्काईलार्क होटल में आज ऑपरेशन सहायता, जिसकी स्थापना अर्शिया गर्ग ने मात्र 16 वर्ष की उम्र में की थी, और यह छोटा सा पेड़ अब वट वृक्ष बन गया है इस कार्यक्रम का आयोजन का उद्देश्य गरीब बेसहारा लोगों के लिए पैसे इकट्ठा कर उनको मदद करना है और इसी उपलक्ष्य में स्काईलार्क होटल में एक भव्य फंडरेजर इवेंट का आयोजन किया। इस इवेंट में फैशन शो और डांस प्रतियोगिता के जरिए नन्हें कलाकारों ने अपनी प्रतिभा दिखाई।इस कार्यक्रम से होने वाली आय, आवश्यक खर्चों को निकालने के बाद, वंचित बच्चों की आंखों की जांच और उनके लिए चश्मे बनवाने में खर्च की जाएगी जिससे कई बच्चों की जिंदगी में स्पष्ट दृष्टि के रूप में बड़ा बदलाव आ सके।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विशाल नारंग , निर्णायक मंडल में श्रीमती मनीषा मेहेंदीरता, अक्षय देहरान, श्रीमती तमन्ना भाटिया, और श्रीमती शिल्पी बागला शामिल रहे, जिन्होंने बच्चों के आत्मविश्वास और प्रस्तुति की सराहना की। इस आयोजन को सफल बनाने मे समर्पित स्वयंसेवकों ने अहम भूमिका निभाई।

## डीएम की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बैठक संपन्न

- 01 से 31 जुलाई तक संचारी एवं 11 से 31 जुलाई तक चलेगा दस्तक अभियान
- मा0 महापौर मलखान सिंह जिला चिकित्सालय से जागरूकता रैली को दिखाएंगे हरी झण्डी

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधियों एवं अन्य हितधारकों ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 1 जुलाई 2025 से शुरू हो रहे विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं 11 जुलाई से आरंभ हो रहे दस्तक अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों की अगुवाई में प्रत्येक विकासखंड एवं नगरीय निकाय क्षेत्र में रैली का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने कहा कि रैली के माध्यम से संचारी रोगों से बचाव के उपाय, स्वच्छता के महत्व एवं दस्तक अभियान की जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाए। डीएम ने विगत दिनों मथुरा रोड स्थित भमरोला में अज्ञात कीड़े द्वारा काटे जाने की घटना का संज्ञान लेते हुए नगर स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य, वन एवं पशुपालन विभाग की टीम को संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि अभियान के दौरान जनसहभागिता के माध्यम से संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए ताकि जिले को संचारी रोगों से मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रशिक्षण को प्रभावी बनाया जाए, जिसमें ग्राम प्रधानों एवं पंचायत सहायकों की अनिवार्य सहभागिता सुनिश्चित हो। जल भराव को जल्द से जल्द समाप्त किया जाए।डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय माइक्रोप्लान के अनुसार सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर संचारी रोग नियंत्रण की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करें। उन्होंने ग्राम पंचायतों, शहरी वार्डों, आंगनवाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों में साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम, एंटी लार्वा स्प्रे, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, गड्ढों की भराई, मच्छरजनित रोगों की रोकथाम कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।सीएमओ डा0 नीरज त्यागी ने बताया कि 01 जुलाई को जिला स्तरीय जागरूता रैली को मलखान सिंह जिला चिकित्सालय से मा0 महापौर द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इसके साथ ही सभी तहसीलों एवं विकासखण्डों में भी मा0 जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित कराते हुए जागरूकता रैलियों का आयोजन किया जाएगा।

## आठ वर्ष पूर्ण होने के बावजूद जीएसटी की जटिलता बरकरार: शीतल टण्डन

### वित्तमंत्री से जीएसटी के सरलीकरण व टैक्स की दरों में कमी होने की उम्मीदें बरकरार

भारत संवाद

सहारनपुर 30 जून। देश में 1 जुलाई 2017 को लागू की गयी गुड्स एवं सर्विस टैक्स (जीएसटी) के 8 वर्ष पूरे होने की पूर्व संध्या पर एक संक्षिप्त समीक्षा बैठक का आयोजन उ.प्र. उद्योग व्यापार मण्डल के प्रमुख पदाधिकारियों द्वारा स्थानीय रेलवे रोड जिला मुख्यालय कार्यालय पर किया गया। व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन व जीएसटी प्रभारी मेजर एस.के.सूरी ने संयुक्त रूप से कहा कि जीएसटी लागू होने के 8 साल बाद भी जहां इस प्रणाली में कुछ उपलब्धियां हासिल हुई हैं, वहीं इसकी कमियां भी व्यापारी वर्ग झेल रहा है, जिसके कारण उसका उत्पीड़न हो रहा है। श्री टण्डन ने कहा कि व्यापारियों को तमाम सहूलियतों के साथ-साथ समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है। नौंवे वर्ष में प्रवेश कर रही जीएसटी प्रणाली में जिस गति से नोटिफिकेशन व सर्कुलर के द्वारा बदलाव हो रहे हैं, या स्पष्टीकरण हो रहे हैं, इससे तो ऐसा लगता है कि जीएसटी अभी भी शुरूआती दौर में है, जो कि पूरी तरह से न तो व्यापारी और ना विभाग के अधिकारी समझ पा रहे हैं। जीएसटी विभाग द्वारा व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर सर्वे छापों की कार्यवाही व प्रवर्तन दल द्वारा माल की आवाजाही के दौरान उसको अनावश्यक रूप से रोककर तकनीकी कमियां निकालना जिसके कारण अनेकों बार व्यापारियों व विभाग के अधिकारियों में टकराव की स्थिति आ जाती है और व्यापारियों से अनावश्यक कर वसूली के साथ-साथ व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। श्री टण्डन ने कहा कि व्यापार मण्डल की यह भी मांग अभी तक पूरी नहीं हुई है कि व्यापारी ने जिस व्यापारी से माल खरीदा है यदि वह रिटर्न दाखिल नहीं करता या टैक्स नहीं भरता तो उसकी जिम्मेदारी माल खरीदने वाले व्यापारी पर पड़ेगी। यह बहुत ही अव्यवहारिक धारा है, जिसको समाप्त किया जाना चाहिए। श्री टण्डन ने कहा कि टैक्स की जीएसटी की तीन दरें 5, 8 और अधिकतम 12 प्रतिशत होनी चाहिए क्योंकि सरकार को जीएसटी से उसकी अपेक्षा से भी अधिक भरपूर जीएसटी की प्राप्ति हर माह हो रही है। पिछले कई माह से तो लगातार 2 लाख करोड़ से अधिक की प्रतिमाह जीएसटी से राजस्व प्राप्ति हो रही है। टैक्स दरें कम करने से सरकार के राजस्व में और अधिक वृद्धि होगी। इस सम्बन्ध में श्री टण्डन ने कहा कि केन्द्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण एवं जीएसटी काउन्सिल के सदस्यों को व्यापारियों के प्रति सकारात्मक रूख रखना चाहिए।

## तहसील इगलास में मत्स्य पालन पट्टा आवंटन 15 जुलाई को

### लक्ष्य आपूर्ति तक प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार को किया जाएगा पट्टा शिविर का आयोजन

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): उप जिलाधिकारी इगलास पारितोष ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सर्व साधारण को बताया है कि तहसील इगलास के विभिन्न ग्रामों के 103 तालाबों को मत्स्य पालन के लिए आगामी 10 वर्षों के लिये पट्टा शिविर का आयोजन 15 जुलाई 2025 एवं लक्ष्य पूर्ति तक प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार को प्रातः 11 बजे से तहसील सभा कक्ष में तहसीलदार इगलास की अध्यक्षता में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पट्टा आवंटन 2500-5000 रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से किया जाएगा एवं 2 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल के तालाब/पोखर पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समितियों को 10 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से आवंटित किये जाएंगे।उन्होंने बताया तहसील इगलास के ग्राम पीपली, मोती, नगला सवल (गोंडा), नगला विरखू, नगला जगदेव, चूहरपुर किनवासा, वलीपुर, बड़ा खुर्द, श्यामगढ़ी, शाहपुर ठठोई, यकताजपुर, खेड़िया गुरूदेव, ढ़ांटोली, ढ़ाड, ऊसरपुर तारापुर, इगलास, वृषभानपुर, बढ़ाकलां, बहादुरपुर, बसई (गोरई), कारौली सूरजा, कारस, कैमथल, कैमावली, कजरौठ, कनौरा, कूपरा, कलींजरी, महदौरा, माकरौल, माती, मोहकमपुर, बिचौला, सिकुर्रा, सिकन्दरपुर, बिसाहुली, हरौथा, हैवतपुर, भौरा गौरवा, भैया, पांयदापुर, पचहरा, रामपुर (हसनगढ़), रजावल, सीतापुर, सतलौनी खुर्द, सतरौली कलां, उडम्बरा, छैछऊ, व्यौहरा, बक्सा गिंदौरा, तरसारा, तेहरा, जैथोली, नया बांस, नगला कुंजी, नगला कलुआ बेलौठ, नगला दरवर, नगला जोतू, नगला नहचला, टमोटिया, असरोई, अजाहरी, गढ़ी बूचा, गोरई, गान्धी ग्राम, मुरसैना एवं लधौली के तालाबों को मत्स्य पालन के लिए आवंटित किया जाएगा।

## जिले में डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता

### तहसील अतरौली के नवीन डडार अलूपुरा, नवीन नौगवां एवं सांकरा समितियों पर डीएपी की आपूर्ति पूरी

- किसानों को मांग के अनुरूप उपलब्ध कराई जाएगी डीएपी
- अतरौली (दक्षिण) समिति द्वारा भुगतान पूर्ण जल्द होगी आपूर्ति

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिले के कृषकों की फसल उत्पादन आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए डीएपी की आपूर्ति एवं वितरण के संबंध में व्यापक प्रबंध किए गए हैं। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता नागेन्द्र पाल सिंह ने अवगत कराया है कि तहसील अतरौली में 1 अप्रैल 2025 से अब तक कुल 782.250 मैट्रिक टन फॉस्फेटिक उर्वरक की आपूर्ति की जा चुकी है, जिसमें इफको डीएपी 657.250 मैट्रिक टन एवं इफको एनपीकेएस 125.000 मैट्रिक टन शामिल हैं।26 जून को अतरौली तहसील की सहकारी समितियों- अतरौली (दक्षिण), नवीन डडार अलूपुरा, नवीन नौगवां एवं सांकरा को डीएपी का आवंटन किया गया था। नवीन डडार अलूपुरा, नवीन नौगवां एवं सांकरा समितियों पर डीएपी की आपूर्ति पूरी कर दी गई है, जिससे कृषक अपनी आवश्यकतानुसार सहकारी समितियों से डीएपी प्राप्त कर सकते हैं। अतरौली (दक्षिण) समिति के सचिव द्वारा डीएपी के लिए आरटीजीएस के माध्यम से भुगतान कर दिया गया है और निकट भविष्य में वहां भी डीएपी की आपूर्ति सुनिश्चित कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी सहकारी समितियों पर उर्वरक का वितरण कृषकों के आधार कार्ड व खतौनी के अनुसार पॉस मशीन के माध्यम से पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है। टोकन प्रणाली के तहत क्रमानुसार डीएपी का वितरण सुनिश्चित किया गया है

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं0: पी आर वाइ जे-सिग-010-2025-26 दिनांक: 27.06.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एंव दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।**

| निविदा नं.:010 | अनुमानित मूल्य : ₹ 20965067.59 | बिड सिक्यूरिटी : ₹ 254800.00 |
|---|---|---|

**कार्य का विवरण:** जिवनाथपुर यार्ड में एमएसडीएसी का प्रावधान। (मण्डल का इन्टरचेन्ज प्वाइंट के कारण)

**निविदा प्रपत्र का मूल्य:** 0.00 — **कार्य समापन की अवधि:** बारह माह

**निविदा बन्द होने की तिथि:** 22.07.2025

**2.निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता:** निविदा प्रपत्र **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

**3.निविदा खुलने का समय तथा स्थान:** निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। **1125/25(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

## विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार का निर्णय लिया गया है। यह रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, ठहराव, संरचना एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

| गाड़ी सं. | कहाँ से कहाँ तक | प्रस्थान का दिन | विस्तारित तिथि से | विस्तारित तिथि तक |
|---|---|---|---|---|
| 09025 | वलसाड-दानापुर | सोमवार | 07.07.2025 | 28.07.2025 |
| 09026 | दानापुर-वलसाड | मंगलवार | 08.07.2025 | 29.07.2025 |
| 09031 | उधना-जयनगर | रविवार | 06.07.2025 | 27.07.2025 |
| 09032 | जयनगर-उधना | सोमवार | 07.07.2025 | 28.07.2025 |
| 09045 | उधना-पटना | शुक्रवार | 04.07.2025 | 01.08.2025 |
| 09046 | पटना-उधना | शनिवार | 05.07.2025 | 02.08.2025 |
| 09343 | डॉ. अम्बेडकर नगर-पटना | गुरुवार | 03.07.2025 | 31.07.2025 |
| 09344 | पटना-डॉ. अम्बेडकर नगर | शुक्रवार | 04.07.2025 | 01.08.2025 |
| 09195 | वडोदरा-मऊ | सोमवार | 07.07.2025 | 28.07.2025 |
| 09196 | मऊ-वडोदरा | मंगलवार | 08.07.2025 | 29.07.2025 |
| 09043 | बढ़नी-बांद्रा (ट.) | रविवार | 06.07.2025 | 27.07.2025 |
| 09044 | बांद्रा (ट.)-बढ़नी | सोमवार | 07.07.2025 | 28.07.2025 |

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1134/25(A)

## तेज बरसात में मकान भरभराकर गिरा

भारत संवाद

सहारनपुर। जनपद क्षेत्र में जारी भारी बारिश एक गरीब परिवार के लिए काल बनकर टूटी। नकुड़ देहात के गांव नसरुल्लागढ़ निवासी पिंटू उपाध्याय पुत्र जयपाल उपाध्याय का कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर गया। गनीमत यह रही कि पिंटू और उसका परिवार घर के भीतर नहीं था, जिससे एक बड़ी जनहानि टल गई। पिंटू, जो कि फेरी करके अपने परिवार का गुजारा करता है, ने बताया कि इस हादसे में उसकी और उसके भाई की मोटरसाइकिल मलबे में दब गई, साथ ही घर में रखा जरूरी सामान भी नष्ट हो गया है। सबसे दुखद पहलू ये है कि पिंटू ने कई बार प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान दिलवाने की गुहार लगाई, लेकिन प्रशासन ने आज तक

कोई सुनवाई नहीं की। हादसे की सूचना ब्लॉक अधिकारियों को दी गई, मगर अब तक कोई मौके पर नहीं पहुंचा। अब सवाल उठता है कि क्या किसी की जान जाने के बाद ही सिस्टम जागेगा। गरीब की छत छिन गई है, लेकिन शासन-प्रशासन की संवेदनाएं अभी भी सो रही हैं।

## मर्ज के नाम पर सरकारी स्कूलों को बंद करने का विरोध

### जिलाधिकारी कार्यालय पर गरजे कांग्रेस कार्यकर्ता, ज्ञापन सौंपा

भारत संवाद

सहारनपुर।मर्ज के नाम पर सरकारी स्कूलों को बंद करने की हो रही तैयारी के विरोध में आज कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के कार्यकर्ता ने आज जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया। सोमवार को कांग्रेस महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सैनी, ककांग्रेस प्रदेश सचिव अशोक सैनी, पिछड़ा वर्ग के प्रदेश सचिव योगी के नेतृत्व में कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचे और सरकारी स्कूलों को मर्ज किए जाने के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि सरकार दलित पिछड़ों को शिक्षा से दूर करना चाहती है

## आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी सं. 12538/12537 प्रयागराज रामबाग-मुजफ्फरपुर बापूधाम एक्सप्रेस (सप्ताह में 02 दिन) का **प्रयागराज जं.** तक विस्तार किया जा रहा है। यह विस्तार मुजफ्फरपुर- दिनांक 30.06.25 से एवं प्रयागराज जं.- दिनांक 02.07.25 से प्रभावी होगा, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

| वर्तमान | परिवर्तित | स्टेशन | वर्तमान | परिवर्तित |
|---|---|---|---|---|
| 12538 प्रयागराज रामबाग-मुजफ्फरपुर जं. | 12538 प्रयागराज जं. -मुजफ्फरपुर जं. (नई गाड़ी सं. 14112 दिनांक 01.09.25 से) | | 12537 मुजफ्फरपुर जं. -प्रयागराज रामबाग | 12537 मुजफ्फरपुर जं.- प्रयागराज जं. (नई गाड़ी सं. 14111 दिनांक 01.09.25 से) |
| -- | प्रस्थान- 04:45 (सोमवार, बुधवार) | प्रयागराज जं. | -- | आगमन- 08:55 (मंगलवार, गुरुवार) |
| प्रस्थान- 05:10 (सोमवार, बुधवार) | 05:05-05:10 (सोमवार, बुधवार) | प्रयागराज रामबाग | आगमन- 08:30 (मंगलवार, गुरुवार) | 08:25-08:30 (मंगलवार, गुरुवार) |
| आगमन- 18:10 (सोमवार, बुधवार) | आगमन- 18:10 (सोमवार, बुधवार) | मुजफ्फरपुर जं. | प्रस्थान- 19:30 (सोमवार, बुधवार) | प्रस्थान- 19:30 (सोमवार, बुधवार) |

नोट: ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@ CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1131/25 (ADM)

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

**अधिकतर हिन्दुओं के पास अपने ही धर्मग्रंथ को पढ़ने की फुरसत नहीं है। वेद, उपनिषद पढ़ना तो दूर, वे गीता तक को नहीं पढ़ते जबकि गीता को 1 घंटे में पढ़ा जा सकता है। हालांकि कई जगह वे भागवत पुराण सुनने या रामायण का अखंड पाठ करने के लिए समय निकाल लेते हैं या घर में सत्यनारायण की कथा करवा लेते हैं। लेकिन आपको यह जानकारी होना चाहिए कि पुराण, रामायण और महाभारत हिन्दुओं के धर्मग्रंथ नहीं हैं, धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं।**

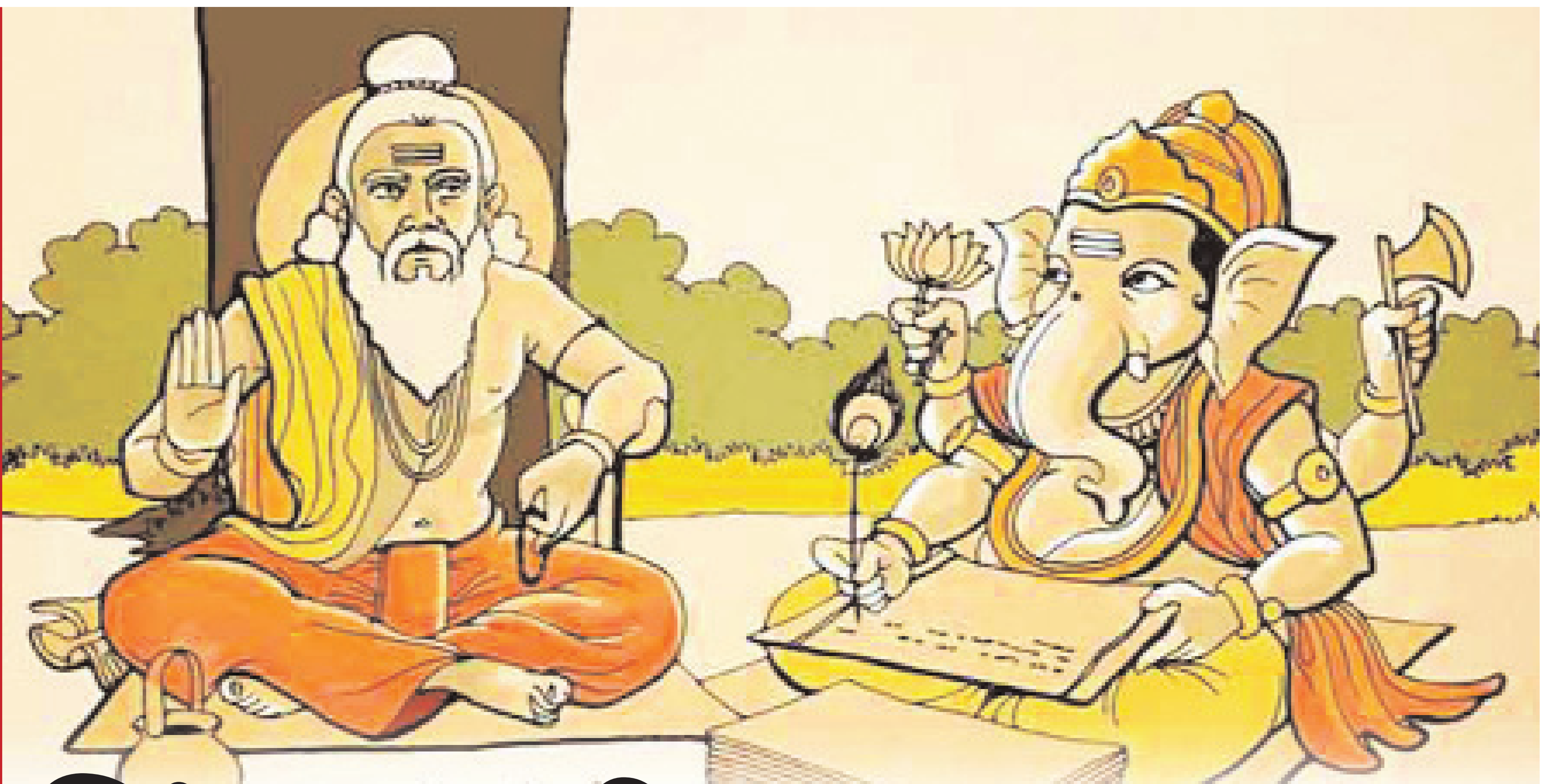

# हिंदू धर्मग्रंथों का सार

## जानिए किस ग्रंथ में क्या है?

शास्त्रों को 2 भागों में बांटा गया है- श्रुति और स्मृति। श्रुति के अंतर्गत धर्मग्रंथ वेद आते हैं और स्मृति के अंतर्गत इतिहास और वेदों की व्याख्या की पुस्तकें पुराण, महाभारत, रामायण, स्मृतियां आदि आते हैं। हिन्दुओं के धर्मग्रंथ तो वेद ही हैं। वेदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। आओ जानते हैं कि उक्त ग्रंथों में क्या है।

### वेदों में क्या है ?

वेदों में ब्रह्म (ईश्वर), देवता, ब्रह्मांड, ज्योतिष, गणित, रसायन, औषधि, प्रकृति, खगोल, भूगोल, धार्मिक नियम, इतिहास, संस्कार, रीति-रिवाज आदि लगभग सभी विषयों से संबंधित ज्ञान भरा पड़ा है। वेद 4 हैं- ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद। ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गंधर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद ये क्रमशः चारों वेदों के उपवेद बतलाए गए हैं।

**ऋग्वेद** : ऋक अर्थात स्थिति और ज्ञान। इसमें भौगोलिक स्थिति और देवताओं के आवाहन के मंत्रों के साथ बहुत कुछ है। ऋग्वेद की ऋचाओं में देवताओं की प्रार्थना, स्तुतियां और देवलोक में उनकी स्थिति का वर्णन है। इसमें जल चिकित्सा, वायु चिकित्सा, सौर चिकित्सा, मानस चिकित्सा और हवन द्वारा चिकित्सा आदि की भी जानकारी मिलती है।

**यजुर्वेद** : यजु अर्थात गतिशील आकाश एवं कर्म। यजुर्वेद में यज्ञ की विधियां और यज्ञों में प्रयोग किए जाने वाले मंत्र हैं। यज्ञ के अलावा तत्वज्ञान का वर्णन है। तत्वज्ञान अर्थात रहस्यमयी ज्ञान। ब्रह्मांड, आत्मा, ईश्वर और पदार्थ का ज्ञान। इस वेद की 2 शाखाएं हैं- शुक्ल और कृष्ण।

**सामवेद** : साम का अर्थ रूपांतरण और संगीत। सौम्यता और उपासना। इस वेद में ऋग्वेद की ऋचाओं का संगीतमय रूप है। इसमें सविता, अग्नि और इन्द्र देवताओं के बारे में जिक्र मिलता है। इसी से शास्त्रीय संगीत और नृत्य का जिक्र भी मिलता है। इस वेद को संगीत शास्त्र का मूल माना जाता है। इसमें संगीत के विज्ञान और मनोविज्ञान का वर्णन भी मिलता है।

**अथर्ववेद** : थर्व का अर्थ है कंपन और अथर्व का अर्थ अकंपन। इस वेद में रहस्यमयी विद्याओं, जड़ी-बूटियों, चमत्कार और आयुर्वेद आदि का जिक्र है। इसमें भारतीय परंपरा और ज्योतिष का ज्ञान भी मिलता है।

### उपनिषद क्या है ?

उपनिषद वेदों का सार है। सार अर्थात निचोड़ या संक्षिप्त। उपनिषद भारतीय आध्यात्मिक चिंतन के मूल आधार हैं, भारतीय आध्यात्मिक दर्शन के स्रोत हैं। ईश्वर है या नहीं, आत्मा है या नहीं, ब्रह्मांड कैसा है आदि सभी गंभीर, तत्वज्ञान, योग, ध्यान, समाधि, मोक्ष आदि की बातें उपनिषद में मिलेंगी। उपनिषदों को प्रत्येक हिन्दू को पढ़ना चाहिए। इन्हें पढ़ने से ईश्वर, आत्मा, मोक्ष और जगत के बारे में सच्चा ज्ञान मिलता है।

वेदों के अंतिम भाग को 'वेदांत' कहते हैं। वेदांतों को ही उपनिषद कहते हैं। उपनिषद में तत्वज्ञान की चर्चा है। उपनिषदों की संख्या वैसे तो 108 है, परंतु मुख्य 12 माने गए हैं, जैसे- 1.ईश, 2.केन, 3.कठ, 4.प्रश्न, 5.मुण्डक, 6.माण्डूक्य, 7.तैत्तिरीय, 8.ऐतरेय, 9.छांदोग्य, 10. बृहदारण्यक, 11.कौषीतकि और 12.श्वेताश्वतर।

षड्दर्शन क्या है ?

### गीता में क्या है ?

महाभारत के 18 अध्यायों में से 1 भीष्म पर्व का हिस्सा है गीता। गीता में भी कुल 18 अध्याय हैं। 10 अध्यायों की कुल श्लोक संख्या 700 है। वेदों के ज्ञान को नए तरीके से किसी ने व्यवस्थित किया है तो वे हैं भगवान श्रीकृष्ण। अत: वेदों का पॉकेट संस्करण है गीता, जो हिन्दुओं का सर्वमान्य एकमात्र ग्रंथ है। किसी के पास इतना समय ही नहीं है कि वह वेद या उपनिषद पढ़े। उनके लिए गीता ही सबसे उत्तम धर्मग्रंथ है। गीता को बार-बार पढ़ने के बाद ही वह समझ में आने लगती है। गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्व जन्म, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है।

श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है। गीता को अर्जुन के अलावा और संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। उपरोक्त ग्रंथों के ज्ञान का सार बिंदुवार :

### ईश्वर के बारे में :

ब्रह्म (परमात्मा) एक ही है जिसे कुछ लोग सगुण (साकार) तो कुछ लोग निर्गुण (निराकार) कहते हैं। हालांकि वह अजन्मा, अप्रकट है। उसका न कोई पिता है और न ही कोई उसका पुत्र है। वह किसी के भाग्य या कर्म को नियंत्रित नहीं करता। न कि वह किसी को दंड या पुरस्कार देता है। उसका न तो कोई प्रारंभ है और न ही अंत। वह अनादि और अनंत है। उसकी उपस्थिति से ही संपूर्ण ब्रह्मांड चलायमान है। सभी कुछ उसी से उत्पन्न होकर अंत में उसी में लीन हो जाता है। ब्रह्मलीन।

### ब्रह्मांड के बारे में :

यह दिखाई देने वाला जगत फैलता जा रहा है और दूसरी ओर से यह सिकुड़ता भी जा रहा है। लाखों सूर्य, तारे और धरतियों का जन्म है, तो उसका अंत भी। जो जन्मा है वह मरेगा भी। सभी कुछ उसी ब्रह्म से जन्मे और उसी में लीन हो जाने वाले हैं। यह ब्रह्मांड परिवर्तनशील है। इस जगत का संचालन उसी की शक्ति से स्वत: ही होता है, जैसे कि सूर्य के आकर्षण से ही धरती अपनी धुरी पर टिकी हुई होकर चलायमान है। उसी तरह लाखों सूर्य और तारे एक महासूर्य के आकर्षण से टिके होकर संचालित हो रहे हैं। उसी तरह लाखों महासूर्य उस एक ब्रह्म की शक्ति से ही जगत में विद्यमान हैं।

### आत्मा के बारे में :

आत्मा का स्वरूप ब्रह्म (परमात्मा) के समान है। जैसे सूर्य और दीपक में जो फर्क है उसी तरह आत्मा और परमात्मा में फर्क है। आत्मा के शरीर में होने के कारण ही यह शरीर संचालित हो रहा है। ठीक उसी तरह जिस तरह कि संपूर्ण धरती, सूर्य, ग्रह-नक्षत्र और तारे भी उस एक परमपिता की उपस्थिति से ही संचालित हो रहे हैं। आत्मा का न जन्म होता है और न ही उसकी कोई मृत्यु होती है। आत्मा एक शरीर को छोड़कर दूसरा शरीर धारण करती है। यह आत्मा अजर और अमर है। आत्मा को प्रकृति द्वारा 3 शरीर मिलते हैं- एक, वह जो स्थूल आंखों से दिखाई देता है। दूसरा, वह जिसे सूक्ष्म शरीर कहते हैं, जो कि ध्यानी को ही दिखाई देता है और तीसरा, वह शरीर जिसके कारण शरीर कहते हैं, उसे देखना अत्यंत ही मुश्किल है। बस उसे वही आत्मा महसूस करती है, जो कि उसमें रहती है। आप और हम दोनों ही आत्मा हैं। हमारे नाम और शरीर अलग-अलग हैं लेकिन भीतरी स्वरूप एक ही हैं।

### स्वर्ग और नरक के बारे में :

वेदों के अनुसार पुराणों के स्वर्ग या नर्क को गतियों से समझा जा सकता है। स्वर्ग और नर्क 2 गतियां हैं। आत्मा जब देह छोड़ती है तो मूलत: 2 तरह की गतियां होती हैं- 1.अगति और 2.गति।

**1.अगति** : अगति में व्यक्ति को मोक्ष नहीं मिलता है उसे फिर से जन्म लेना पड़ता है।

**2.गति** : गति में जीव को किसी लोक में जाना पड़ता है या वह अपने कर्मों से मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

*अगति के 4 प्रकार हैं- 1.क्षिणोदर्क, 2.भूमोदर्क, 3.अगति और 4. दुर्गति।

*क्षिणोदर्क : क्षिणोदर्क अगति में जीव पुन: पुण्यात्मा के रूप में मृत्युलोक में आता है और संतों-सा जीवन जीता है।

*भूमोदर्क : भूमोदर्क में वह सुखी और ऐश्वर्यशाली जीवन पाता है।

*अगति : अगति में नीच या पशु जीवन में चला जाता है।

*दुर्गति : दुर्गति में वह कीट-कीड़ों जैसा जीवन पाता है।

* गति के भी 4 प्रकार- गति के अंतर्गत 4 लोक दिए गए हैं- 1. ब्रह्मलोक, 2.देवलोक, 3.पितृलोक और 4.नर्कलोक। जीव अपने कर्मों के अनुसार उक्त लोकों में जाता है।

### तीन मार्गों से यात्रा :

जब भी कोई मनुष्य मरता है या आत्मा शरीर को त्यागकर यात्रा प्रारंभ करती है तो इस दौरान उसे 3 प्रकार के मार्ग मिलते हैं। ऐसा कहते हैं कि उस आत्मा को किस मार्ग पर चलाया जाएगा और यह केवल उसके कर्मों पर निर्भर करता है। ये 3 मार्ग हैं- अर्चि मार्ग, धूम मार्ग और उत्पत्ति-विनाश मार्ग। अर्चि मार्ग ब्रह्मलोक और देवलोक की यात्रा के लिए होता है, वहीं धूममार्ग पितृलोक की यात्रा पर ले जाता है और उत्पत्ति-विनाश मार्ग नर्क की यात्रा के लिए है।

### धर्म और मोक्ष के बारे में :

धर्मग्रंथों के अनुसार धर्म का अर्थ है यम और नियम को समझकर उसका पालन करना। नियम ही धर्म है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष में से मोक्ष ही अंतिम लक्ष्य होता है। हिन्दू धर्म के अनुसार व्यक्ति को मोक्ष के बारे में विचार करना चाहिए। मोक्ष क्या है? स्थितप्रज्ञ आत्मा को मोक्ष मिलता है। मोक्ष का भावार्थ यह कि आत्मा शरीर नहीं है, इस सत्य को पूर्णत: अनुभव करके ही अशरीरी होकर स्वयं के अस्तित्व को पुख?ता करना ही मोक्ष की प्रथम सीढ़ी है।

### व्रत और त्योहार के बारे में :

हिन्दू धर्म के सभी व्रत, त्योहार या तीर्थ सिर्फ मोक्ष की प्राप्त हेतु ही

निर्मित हुए हैं। मोक्ष तब मिलेगा जब व्यक्ति स्वस्थ रहकर प्रसन्नचित्त और खुशहाल जीवन जीएगा। व्रत से शरीर और मन स्वस्थ होता है। त्योहार से मन प्रसन्न होता है और तीर्थ से मन और मस्तिष्क में वैराग्य और अध्यात्म का जन्म होता है।

मौसम और ग्रह-नक्षत्रों की गतियों को ध्यान में रखकर बनाए गए व्रत और त्योहारों का महत्व अधिक है। व्रतों में चतुर्थी, एकादशी, प्रदोष, अमावस्या, पूर्णिमा, श्रावण मास और कार्तिक मास के दिन व्रत रखना श्रेष्ठ है। यदि उपरोक्त सभी नहीं रख सकते हैं तो श्रावण के पूरे महीने व्रत रखें। त्योहारों में मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, नवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी और हनुमान जन्मोत्सव ही मनाएं। पर्व में श्राद्ध और कुंभ का पर्व जरूर मनाएं।

व्रत करने से काया निरोगी और जीवन में शांति मिलती है। सूर्य की 12 और 12 चन्द्र की संक्रांतियां होती हैं। सूर्य संक्रांतियों में उत्सव का अधिक महत्व है, तो चन्द्र संक्रांति में व्रतों का अधिक महत्व है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन। इसमें से श्रावण मास को व्रतों में सबसे श्रेष्ठ मास माना गया है। इसके अलावा प्रत्येक माह की एकादशी, चतुर्दशी, चतुर्थी, पूर्णिमा, अमावस्या और अधिकमास में व्रतों का अलग-अलग महत्व है। सौरमास और चान्द्रमास के बीच बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिकमास कहते हैं। साधुजन चातुर्मास अर्थात 4 महीने श्रावण, भाद्रपद, आश्विन और कार्तिक माह में व्रत रखते हैं।

उत्सव, पर्व और त्योहार सभी का अलग-अलग अर्थ और महत्व है। प्रत्येक ऋतु में एक उत्सव है। उन त्योहार, पर्व या उत्सव को मनाने का महत्व अधिक है जिनकी उत्पत्ति स्थानीय परंपरा या संस्कृति से न होकर जिनका उल्लेख वैदिक धर्मग्रंथ, धर्मसूत्र, स्मृति, पुराण और आचार संहिता में मिलता है। चन्द्र और सूर्य की संक्रांतियों के अनुसार कुछ त्योहार मनाए जाते हैं। 12 सूर्य संक्रांतियां होती हैं जिसमें 4 प्रमुख हैं- मकर, मेष, तुला और कर्क। इन 4 में मकर संक्रांति महत्वपूर्ण है। सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है छठ, संक्रांति और कुंभ। पर्वों में रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, गुरुपूर्णिमा, वसंत पंचमी, हनुमान जयंती, नवरात्रि, शिवरात्रि, होली, ओणम, दीपावली, गणेश चतुर्थी और रक्षाबंधन प्रमुख हैं। हालांकि सभी में मकर संक्रांति और कुंभ को सर्वोच्च माना गया है।

### तीर्थ के बारे में :

तीर्थ और तीर्थयात्रा का बहुत पुण्य है। जो मनमाने तीर्थ और तीर्थ पर जाने के समय हैं, उनकी यात्रा का सनातन धर्म से कोई संबंध नहीं। तीर्थों में 4 धाम ज्योतिर्लिंग, अमरनाथ, शक्तिपीठ और सप्तपुरी की यात्रा का ही महत्व है। अयोध्या, मथुरा, काशी और प्रयाग को तीर्थों का प्रमुख केंद्र माना जाता है जबकि कैलाश मानसरोवर को सर्वोच्च तीर्थ माना गया है। बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम् और जगन्नाथपुरी ये 4 धाम हैं। सोमनाथ, द्वारका, महाकालेश्वर, श्रीशैल, भीमाशंकर, ?कारेश्वर, केदारनाथ, विश्वनाथ, त्र्यंबकेश्वर, रामेश्वरम्, घृष्णेश्वर और बैद्यनाथ ये द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं। काशी, मथुरा, अयोध्या, द्वारका, माया, कांची और अवंति उज्जैन ये सप्तपुरियां हैं। उपरोक्त कहे गए तीर्थ की यात्रा ही धर्मसम्मत है।

### संस्कार के बारे में :

संस्कारों के प्रमुख प्रकार 16 बताए गए हैं जिनका पालन करना हर हिन्दू का कर्तव्य है। इन संस्कारों के नाम है- गर्भाधान, पुंसवन, सीमंतोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, मुंडन, कर्णवेधन, विद्यारंभ, उपनयन, वेदारंभ, केशांत, सम्वर्तन, विवाह और अंत्येष्टि। प्रत्येक हिन्दू को उक्त संस्कार को अच्छे से नियमपूर्वक करना चाहिए। यह मनुष्य के सभ्य और हिन्दू होने की निशानी है। उक्त संस्कारों को वैदिक नियमों के द्वारा ही संपन्न किया जाना चाहिए।

### पाठ करने के बारे में :

वेदों, उपनिषद या गीता का पाठ करना या सुनना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य है। उपनिषद और गीता का स्वयं अध्ययन करना और उसकी बातों की किसी जिज्ञासु के समक्ष चर्चा करना पुण्य का कार्य है। लेकिन किसी बहसकर्ता या भ्रमित व्यक्ति के समक्ष वेद वचनों को कहना निषेध माना जाता है। प्रतिदिन धर्मग्रंथों का कुछ पाठ करने से देव शक्तियों की कृपा मिलती है। हिन्दू धर्म में वेद, उपनिषद और गीता के पाठ करने की परंपरा प्राचीनकाल से रही है। वक्त बदला तो लोगों ने पुराणों में उल्लेखित कथा की परंपरा शुरू कर दी, जबकि वेदपाठ और गीता पाठ का अधिक महत्व है।

### धर्म, कर्म और सेवा के बारे में :

धर्म-कर्म और सेवा का अर्थ यह कि हम ऐसा कार्य करें जिससे हमारे मन और मस्तिष्क को शांति मिले और हम मोक्ष का द्वार खोल पाएं। साथ ही जिससे हमारे सामाजिक और राष्ट्रीय हित भी साधे जाते हों अर्थात ऐसा कार्य जिससे परिवार, समाज, राष्ट्र और स्वयं को लाभ मिले। धर्म-कर्म को कई तरीके से साधा जा सकता है, जैसे- 1.व्रत, 2. सेवा, 3.दान, 4.यज्ञ, 5.प्रायश्चित, दीक्षा देना और मंदिर जाना आदि।

सेवा का मतलब यह कि सर्वप्रथम माता-पिता, फिर बहन-बेटी, फिर भाई-बंधु की किसी भी प्रकार से सहायता करना ही धार्मिक सेवा है। इसके बाद अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना पुण्य का कार्य माना गया है। इसके अलावा सभी प्राणियों, पक्षियों, गाय, कुत्ते, कौओं, चींटी आति को अन्न-जल देना- ये सभी यज्ञ कर्म में आते हैं।

### दान के बारे में :

दान से इन्द्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रंथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। देव आराधना का दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है। वेदों में 3 प्रकार के दाता कहे गए हैं- 1.उक्तम, 2.मध्यम और 3. निकृष?टतम। धर्म की उन्नति, रूप, सत्य विद्या के लिए जो देता है, वह उत्तम। कीर्तिं या स्वार्थ के लिए जो देता है वह मध्यम और जो वेश ?यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को देता वह निकृष्ट माना गया है। पुराणों में अन्नदान, वस्त्रदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान को ही श्रेष्ठ माना गया है, यही पुण ?य भी है।

### यज्ञ के बारे में :

यज्ञ के प्रमुख 5 प्रकार हैं- ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, वैश्वदेव यज्ञ और अतिथि यज्ञ। यज्ञ पालन से ऋषि ऋण, देव ऋण, पितृ ऋण, धर्म ऋण, प्रकृति ऋण और मातृ ऋण समाप्त होता है। नित्य संध्यावंदन, स्वाध्याय तथा वेदपाठ करने से ब्रह्म यज्ञ संपन्न होता है। देवयज्ञ सत्संग तथा अग्निहोत्र कर्म से संपन्न होता है। अग्नि जलाकर होम करना अग्निहोत्र यज्ञ है। पितृयज्ञ को श्राद्धकर्म भी कहा गया है। यह यज्ञ पिंडदान, तर्पण और संतानोत्पत्ति से संपन्न होता है। वैश्वदेव यज्ञ को भूत यज्ञ भी कहते हैं। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्तव्य समझना व उन्हें अन्न-जल देना ही भूत यज्ञ कहलाता है। अतिथि यज्ञ से अर्थ मेहमानों की सेवा करना। अपंग, महिला, विद्यार्थी, संन्यासी, चिकित्सक और धर्म के रक्षकों की सेवा-सहायता करना ही अतिथि यज्ञ है। इसके अलावा अग्निहोत्र, अश्वमेध, वाजपेय, सोमयज्ञ, राजसूय और अग्निचयन का वर्णण यजुर्वेद में मिलता है।

### मंदिर जाने के बारे में :

प्रति गुरुवार को मंदिर जाना चाहिए। घर में मंदिर नहीं होना चाहिए। मंदिर में जाकर परिक्रमा करना चाहिए। भारत में मंदिरों, तीर्थों और यज्ञादि की परिक्रमा का प्रचलन प्राचीनकाल से ही रहा है। मंदिर की 7 बार (सप्तपदी) परिक्रमा करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह 7 परिक्रमा विवाह के समय अग्नि के समक्ष भी की जाती है। इसी प्रदक्षिणा को इस्लाम धर्म ने परंपरा से अपनाया जिसे तवाफ कहते हैं। प्रदक्षिणा षोडशोपचार पूजा का एक अंग है। प्रदक्षिणा की प्रथा अतिप्राचीन है। हिन्दू सहित जैन, बौद्ध और सिख धर्म में भी परिक्रमा का महत्व है। इस्लाम में मक्का स्थित काबा की 7 परिक्रमा का प्रचलन है। पूजा-पाठ, तीर्थ परिक्रमा, यज्ञादि पवित्र कर्म के दौरान बिना सिले सफेद या पीत वस्त्र पहनने की परंपरा भी प्राचीनकाल से हिन्दुओं में प्रचलित रही है। मंदिर जाने या संध्यावंदन के पूर्व आचमन या शुद्धि करना जरूरी है। इसे इस्लाम में वुजू कहा जाता है।

### संध्यावंदन के बारे में :

संध्यावंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। मंदिर में जाकर संधिकाल में ही संध्यावंदन की जाती है। वैसे संधि 8 वक्त की मानी गई है। उसमें भी 5 महत्वपूर्ण हैं। 5 में से भी सूर्य उदय और अस्त अर्थात 2 वक्त की संधि महत्वपूर्ण है। इस समय मंदिर या एकांत में शौच, आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है। संध्योपासना के 4 प्रकार हैं- 1.प्रार्थना, 2.ध्यान, 3. कीर्तन और 4.पूजा-आरती। व्यक्ति की जिसमें जैसी श्रद्धा है, वह वैसा करता है।

### धर्म की सेवा के बारे में :

धर्म की प्रशंसा करना और धर्म के बारे में सही जानकारी को लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक हिन्दू का कर्तव्य होता है। धर्म प्रचार में वेद, उपनिषद और गीता के ज्ञान का प्रचार करना ही उत्तम माना गया है। धर्म प्रचारकों के कुछ प्रकार हैं। हिन्दू धर्म को पढ़ना और समझना जरूरी है। हिन्दू धर्म को समझकर ही उसका प्रचार और प्रसार करना जरूरी है। धर्म का सही ज्ञान होगा, तभी उस ज्ञान को दूसरे को बताना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को धर्म प्रचारक होना जरूरी है। इसके लिए भगवा वस्त्र धारण करने या संन्यासी होने की जरूरत नहीं। स्वयं के धर्म की तारीफ करना और बुराइयों को नहीं सुनना ही धर्म की सच्ची सेवा है।

### मंत्र के बारे में :

वेदों में बहुत सारे मंत्रों का उल्लेख मिलता है, लेकिन जपने के लिए सिर्फ प्रणव और गायत्री मंत्र ही कहा गया है, बाकी मंत्र किसी विशेष अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों के लिए है। वेदों में गायत्री नाम से छंद है जिसमें हजारों मंत्र हैं किंतु प्रथम मंत्र को ही गायत्री मंत्र माना जाता है। उक्त मंत्र के अलावा किसी अन्य मंत्र का जाप करते रहने से समय और ऊर्जा की बर्बादी है। गायत्री मंत्र की महिमा सर्वविदित है। दूसरा मंत्र है महामृत्युंजय मंत्र, लेकिन उक्त मंत्र के जप और नियम कठिन है इसे किसी जानकार से पूछकर ही जपना चाहिए।

### प्रायश्चित के बारे में :

प्राचीनकाल से ही हिन्दुओं में मंदिर में जाकर अपने पापों के लिए प्रायश्चित करने की परंपरा रही है। प्रायश्चित करने के महत्व को स्मृति और पुराणों में विस्तार से समझाया गया है। गुरु और शिष्य परंपरा में गुरु अपने शिष्य को प्रायश्चित करने के अलग-अलग तरीके बताते हैं। दुष्कर्म के लिए प्रायश्चित करना तपस्या का एक दूसरा रूप है। यह मंदिर में देवता के समक्ष 108 बार साष्टांग प्रणाम, मंदिर के इर्द-गिर्द चलते हुए साष्टांग प्रणाम और कावडी अर्थात वह तपस्या, जो भगवान मुरुगन को अर्पित की जाती है, जैसे कृत्यों के माध्यम से की जाती है। मूलत: अपने पापों की क्षमा भगवान शिव और वरुणदेव से मांगी जाती है, क्योंकि क्षमा का अधिकार उनको ही है। जैन धर्म में 'क्षमा पर्व' प्रायश्चित करने का दिन है।

### दीक्षा देने के बारे में :

दीक्षा देने का प्रचलन वैदिक ऋषियों ने प्रारंभ किया था। प्राचीनकाल में पहले शिष्य और ब्राह्मण बनाने के लिए दीक्षा दी जाती थी। माता-पिता अपने बच्चों को जब शिक्षा के लिए भेजते थे तब भी दीक्षा दी जाती थी। हिन्दू धर्मानुसार दिशाहीन जीवन को दिशा देना ही दीक्षा है। दीक्षा एक शपथ, एक अनुबंध और एक संकल्प है। दीक्षा के बाद व्यक्ति द्विज बन जाता है। द्विज का अर्थ दूसरा जन्म। दूसरा व्यक्तित्व। सिख धर्म में इसे अमृत संचार कहते हैं। यह दीक्षा देने की परंपरा जैन धर्म में भी प्राचीनकाल से रही है, हालांकि दूसरे धर्मों में दीक्षा को अपने धर्म में धर्मांतरित करने के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा। हिन्दू धर्म से इस परंपरा को ईसाई धर्म ने अपनाया जिसे वे बपस्तिमा कहते हैं। अलग-अलग धर्मों में दीक्षा देने के भिन्न-भिन्न तरीके हैं। यहूदी धर्म में खतना करके दीक्षा दी जाती है।

## वेद से निकला षड्दर्शन

वेद और उपनिषद को पढ़कर ही 6 ऋषियों ने अपना दर्शन गढ़ा है। इसे भारत का षड्दर्शन कहते हैं। दरअसल, यह वेद के ज्ञान का श्रेणीकरण है। ये 6 दर्शन हैं- 1.न्याय, 2.वैशेषिक, 3.सांख्य, 4. योग, 5.मीमांसा और 6.वेदांत। वेदों के अनुसार सत्य या ईश्वर को किसी एक माध्यम से नहीं जाना जा सकता। इसीलिए वेदों ने कई मार्गों या माध्यमों की चर्चा की है।

# न्यूयॉर्क मेयर उम्मीदवार ममदानी के हाथ से खाने पर विवाद

## अमेरिकी सांसद बोले- हमारे तौर-तरीके नहीं अपना सकते तो अपने पिछड़े देश चले जाओ

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, भारतीय मूल के न्यूयॉर्क से मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी का हाथ से चावल-दाल खाते हुए एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसे लेकर एक अमेरिकी सांसद ने नाराजगी जताई। अमेरिकी रिपब्लिकन सांसद ब्रैंडन गिल ने एक्स पर लिखा, अमेरिका में सभ्य लोग इस तरह से खाना नहीं खाते हैं। अगर आप पश्चिमी तौर-तरीके नहीं अपना सकते, तो अपने देश वापस चले जाइए। ममदानी वीडियो में फिलिस्तीनी मुद्दे पर बात कर रहे थे। उन्होंने कहा- जब आप किसी थर्ड वर्ल्ड में पले-बढ़े होते हैं तो आप फिलिस्तीनी संघर्ष को बेहतर तरीके से समझते हैं। जोहरान ममदानी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इस पर बहस शुरू हो गई है। न्यूयॉर्क के सांसद ब्रैंडन गिल ने इस वीडियो पर जो टिप्पणी की, उसे लेकर कई लोगों ने नाराजगी जताई और उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने तंज कसते हुए पूछा, क्या आप एशियाई रेस्टोरेंट में

चॉपस्टिक से खाने पर भी नाराज होते हैं? दूसरे ने लिखा, टैको, फ्रेंच फ्राइज और बर्गर आप कैसे खाते हैं? क्या चिप्स भी कांटे से खाते हैं? एक और यूजर ने कहा, आप उनकी नीतियों की आलोचना नहीं कर पा रहे, इसलिए अब उनकी संस्कृति पर निजी हमला कर रहे हैं। इसके अलावा कुछ लोगों ने ममदानी पर अपनी सांस्कृतिक पहचान को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का भी आरोप लगाया। एक यूजर ने ममदानी की पुरानी तस्वीर शेयर की, जिसमें वे चाकू और कांटे से खाना खा रहे थे। यूजर ने लिखा, जोहरान हमेशा चाकू-कांटे से खाते हैं, लेकिन कैमरे के सामने हाथ से खाकर ऐसा दिखाते हैं जैसे वे बाहरी हैं। इससे पहले ममदानी अपने एक बयान के कारण विवादों से घिर गए थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था- अरबपति असमानता बढ़ाते हैं, दुनियां में किसी को अरबपति नहीं होने देना चाहिए। एनबीसी न्यूज के मीट द प्रेस शो में ममदानी ने कहा, हमारे पास अरबपति नहीं होने चाहिए। इतनी असमानता के समय में इतना पैसा ठीक नहीं है। हमें शहर, राज्य और देश में समानता चाहिए। ममदानी ने बताया कि वे न्यूयॉर्क के सबसे अमीर लोगों और बड़ी कंपनियों पर टैक्स बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं सबसे अमीर लोगों पर 1% टैक्स बढ़ाना चाहता हूं ताकि सभी की जिंदगी बेहतर हो, जिसमें टैक्स देने वाले भी शामिल हैं। वहीं, ममदानी को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कम्युनिस्ट कहा था, जिसका ममदानी ने खंडन किया। उन्होंने कहा, मैं कम्युनिस्ट नहीं हूं। ट्रम्प मेरे लुक्स, आवाज और पहचान पर बात करते हैं ताकि मेरे काम से ध्यान हटाएं। मैं उन मेहनतकश लोगों के लिए लड़ रहा हूं जिन्हें ट्रम्प ने धोखा दिया। ममदानी ने न्यूयॉर्क टाउन के मेयर पद के लिए डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। 24 जून को इसके नतीजे आए थे। पहली बार दक्षिण एशियाई, भारतवंशी और मुस्लिम मूल के ममदानी ने पूर्व गवर्नर एंड्रयू क्यूमो को हराया था। ममदानी के जीत के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की दक्षिणपंथी पार्टी के रिपब्लिकन नेताओं और ट्रम्प प्रशासन के पूर्व अधिकारियों ने उन पर तीखे हमले शुरू कर दिए थे। इन हमलों में ममदानी को आतंकवाद समर्थक और न्यूयॉर्क शहर के लिए खतरा बताया गया था।

# सर्बिया में राष्ट्रपति के इस्तीफे को लेकर प्रदर्शन

## हजारों लोगों ने सड़कें ब्लॉक कीं; रेलवे स्टेशन का शेड गिरने को लेकर 8 महीने से नाराजगी

एजेंसी

बेलग्रेड, सर्बिया में राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक के इस्तीफे और तुरंत चुनावों की मांग को लेकर कई शहरों में प्रदर्शन ने एक बार फिर से जोर पकड़ लिया है। रविवार रात से आज सुबह तक हजारों प्रदर्शनकारियों ने राजधानी बेलग्रेड और अन्य शहरों में सड़कें जाम कर दीं। प्रदर्शनकारियों ने बेलग्रेड में कई जगहों पर लोहे की बाड़ और कचरे के कंटेनर से सड़कों को ब्लॉक कर दिया। सावा नदी पर बने पुल पर भी गाड़ियों की आवाजाही रोक दी गई। नोवी सैड में प्रदर्शनकारियों ने सत्तारूढ़ पोपुलिस्ट सर्बियाई प्रोग्रेसिव पार्टी के ऑफिस पर अंडे फेंके। इससे

पहले शनिवार रात, बेलग्रेड में लगभग 1 लाख 40 हजार लोग सड़कों पर उतरे थे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई। पुलिस ने आंसू गैस के गोले और साउंड बम दागे और दर्जनों लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अब इनकी रिहाई की मांग हो रही है। सर्बिया में 1 नवंबर, 2024 को नोवी सैड रेलवे स्टेशन का शेड गिरने से 16 लोगों की मौत हो गई थी। दिसंबर में सरकार के खिलाफ लोगों का विरोध-प्रदर्शन शुरू हुआ था, जो पिछले 7 महीने से जारी है। लोगों का आरोप है कि निर्माण परियोजनाओं में भ्रष्टाचार की वजह से हादसा हुआ। तत्कालीन पीएम-परिवहन मंत्री ने हादसे के बाद इस्तीफा दिया था हादसे के कारण 28 जनवरी, 2025 को तत्कालीन प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक को इस्तीफा देना पड़ा था। इससे पहले पूर्व परिवहन मंत्री गोरन वेसिक ने भी इस्तीफा दे दिया था। नोवी सैड की घटना में 13 लोगों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। इनमें गोरन वेसिक का नाम भी था। पूर्व प्रधानमंत्री वुसेविक ने कहा था कि वे नहीं चाहते कि देश में तनाव और ज्यादा बढ़े इसलिए वे हालात को शांत करने के लिए अपना पद छोड़ रहे हैं। वुसेविक मई 2024 से प्रधानमंत्री के पद पर थे। इससे पहले वे उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के पद पर रह चुके हैं। वुसेविक 2012 से 2020 तक नोवी सैड के मेयर थे। इसी दौरान रेलवे स्टेशन पर भवन से जुड़ा काम हुआ था। इसके कारण वुसेविक पर पीएम पद छोड़ने का भारी दबाव था। हालांकि सर्बिया में असली ताकत राष्ट्रपति के पास होती है।

# अमेरिकी कंपनियों पर टैक्स नहीं लगाएगा कनाडा

## ट्रम्प ने टैरिफ लगाने की धमकी दी थी; पीएम कार्नी बोले – बिजनेस पर फिर बात करेंगे

एजेंसी

ओटावा/वॉशिंगटन डीसी, कनाडा ने रविवार देर रात अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैक्स लगाने का अपना फैसला वापस ले लिया है। कनाडाई सरकार 30 जून से अमेरिकी कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैक्स लगाने वाली थी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने रविवार को एक बयान में कहा कि वह और ट्रम्प अब व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने पर राजी हो गए हैं। कनाडाई वित्त मंत्रालय के मुताबिक, कार्नी और ट्रम्प के बीच 21 जुलाई तक व्यापार समझौते पर फिर से बातचीत शुरू हो सकती है। ट्रम्प ने 27 जून को कनाडा को धमकी दी थी कि अगर उसने अमेरिकी कंपनियों पर टैक्स लगाया, तो वे कनाडा पर जल्द नया टैरिफ लगा देंगे। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा, 'हम कनाडा को अगले 7 दिनों में बता देंगे कि उसे अमेरिका के साथ बिजनेस करने के लिए कितना टैरिफ देना होगा।' कनाडा में पिछले साल पास हुआ था डिजिटल सर्विस टैक्स कनाडा की संसद में डिजिटल सर्विसेज टैक्स एक्ट पिछले साल 20 जून, 2024 को पास हुआ था। हालांकि, यह टैक्स एक साल बाद 30 जून, 2025 से लागू होना था। लागू होने से कुछ घंटे पहले ही कनाडा सरकार ने इस पर यू टर्न ले लिया। ट्रम्प के टैरिफ को लेकर बातचीत से पीछे हटने के बाद कनाडा के ढट मार्क कार्नी ने कहा था कि वह कनाडा की जनता के हित में अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखना चाहते

हैं। वहीं, अमेरिका के ट्रेजरी सचिव यानी कि वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि उन्हें पहले से इस टैक्स के लगाए जाने की आशंका थी। हालांकि, अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ को लेकर बातचीत चल रही थी, इसलिए उन्हें उम्मीद थी कि कार्नी प्रशासन इसे लागू नहीं करेगा। क्या होता है डिजिटल सर्विस टैक्स? डिजिटल सर्विसेज टैक्स वह टैक्स होता है, जो ऑनलाइन सर्विस देने वाली कंपनियों से वसूला जाता है। बड़ी विदेशी और घरेलू कंपनियों को, जो कनाडा में ऑनलाइन यूजर्स से पैसा कमा रही हैं, उसे आय पर 3% टैक्स देना होगा। यह कानून 2022 से पुराने बिलों पर भी लगना था, यानी कंपनियों को पिछले कई सालों के टैक्स का पैसा देना होता। यह टैक्स ऑनलाइन मार्केटप्लेस, सोशल मीडिया, ऑनलाइन विज्ञापन और यूजर डेटा बेचने से हुई कमाई पर लागू होने वाला था। यह टैक्स उन कंपनियों पर लागू होता, जिनकी सलाना कमाई 800 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। इससे खासकर अमेरिकी टेक कंपनियां जैसे मेटा, गूगल, एपल, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट ज्यादा प्रभावित होतीं। कारोबारियों का अनुमान है कि इस टैक्स से अमेरिकी कंपनियों को हर साल दो अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान होगा। इसके साथ ही अमेरिका में 3,000 नौकरियां भी जा सकती हैं।

टैरिफ वॉर से वर-कनाडा दोनों को नुकसान आंकड़ों के मुताबिक, कनाडा, अमेरिका का सबसे बड़ा खरीदार है, जिसने पिछले साल 349 अरब डॉलर (29.14 लाख करोड़ रुपए) का अमेरिकी सामान खरीदा और 413 अरब डॉलर (34.49 लाख करोड़ रुपए) का सामान अमेरिका को बेचा। मेक्सिको के बाद कनाडा अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा बिजनेस पार्टनर है। कनाडा अप्रैल में लगाए गए ट्रम्प के व्यापक टैरिफ से बच गया था, लेकिन स्टील और एल्युमीनियम पर उसे अभी भी 50% टैक्स देना पड़ रहा है।

# ट्रम्प बोले- मस्क स्मार्ट हैं, लेकिन उनकी नाराजगी गलत

## टेस्ला सीईओ ने अमेरिकी टैक्स बिल को विनाशकारी बताया था; ट्रम्प शासन से इस्तीफा दे चुके

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के बहुचर्चित टैक्स बिल को लेकर टकराव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टेस्ला उएड इलॉन मस्क को स्मार्ट व्यक्ति बताया। ट्रम्प ने रविवार को फॉक्स न्यूज पर एक इंटरव्यू में कहा, मस्क एक शानदार व्यक्ति हैं, लेकिन वे थोड़े नाराज हो गए थे, जो ठीक नहीं था। टेस्ला सीईओ इलॉन मस्क ने 20 जनवरी 2025 को ट्रम्प सरकार में डिपार्टमेंट ऑफ

गवर्नमेंट एफिशिएंसी का जिम्मा संभाला था। हालांकि, उन्होंने 28 मई को ट्रम्प के ट्रैक्स एंड स्पेंडिंग बिल से नाराजगी के चलते पद से इस्तीफा दे दिया था। ट्रम्प इस बिल के समर्थन में हैं, जबकि मस्क खिलाफ। ट्रम्प इस बिल को बिग ब्यूटीफुल बिल भी कहते हैं। मस्क ने इस बिल को पूरी तरह पागलपन भरा और देश के लिए विनाशकारी करार दिया। मस्क के मुताबिक, यह बिल बीते जमाने की इंडस्ट्रीज को तो सब्सिडी देता है, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डेटा सेंटर जैसी भविष्य की तकनीकों को करों से दबा देता है। मस्क बोले- बिग ब्यूटीफुल बिल अमेरिकी उद्योगों के लिए खतरा मस्क ने 28 जून को अपने 54वें जन्मदिन पर एक्स पर पोस्ट के जरिए बिग ब्यूटीफुल बिल की जमकर आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि बिल में विंड और सोलर सब्सिडी को 2027 तक खत्म करने का प्रस्ताव है और चीन से जुड़े ग्रीन टेक प्रोजेक्ट्स पर अतिरिक्त टैक्स लगाए गए हैं। वहीं, मस्क ने 5 जून को ही ट्रम्प का नाम एपस्टीन सेक्स फाइल्स में होने का आरोप तक लगा दिया था। हालांकि, 11 जून को मस्क ने माफी मांग ली थी।

# मणिपुर : बंदूकधारियों ने कार सवार चार लोगों को गोलियों से भूना, मौके पर सुरक्षा बल रवाना

**मणिपुर में बंदूकधारियों चार लोगों की गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया. घटनास्थल पर सुरक्षाबल को भेजा गया है.**

एजेंसी

**घटनास्थल मोंगजांग चुराचांदपुर शहर से करीब सात किमी दूर है. वहीं चुराचांदपुर जिला मुख्यालय के एक अफसर ने कहा कि घटना को देखकर लगता है कि हमलावरों ने चारों लोगों को बहुत समीप से गोली मारी है. हालांकि घटना में मारे गए लोगों की अभी पहचान नहीं हो सकी है.**

चुराचांदपुर/इंफालः मणिपुर में अज्ञात बंदूकधारियों के द्वारा सोमवार को चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई. घटना मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में हुई. इसमें 60 वर्षीय महिला समेत चार लोगों को गोली मार दी गई, जिससे उनकी मौत हो गई. इस बारे में पुलिस ने बताया कि हमलावरों के द्वारा घात लगाकर घटना को अंजाम दिया गया. पुलिस के मुताबिक मोंगजांग गांव के समीप दोपहर करीब 2 बजे यह हमला किया गया. इस दौरान पीड़ित एक कार से सफर कर रहे थे. बता दें कि घटनास्थल मोंगजांग चुराचांदपुर शहर से करीब सात किमी दूर है. वहीं चुराचांदपुर जिला मुख्यालय के एक अफसर ने कहा कि घटना को देखकर लगता है कि हमलावरों ने चारों लोगों को बहुत समीप से गोली मारी है. हालांकि घटना में मारे गए लोगों की अभी पहचान नहीं हो सकी है. पुलिस ने घटनास्थल से 12 से अधिक खाली कारतूस बरामद किया है.घटना के बाद दहशतघटना की फिलहाल किसी भी संगठन ने अभी तक जिम्मेदारी नहीं ली है. हालात को देखते हुए इलाके में काफी संख्या में पुलिस और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा गया है. चार लोगों की हत्या किए जाने के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है. वहीं सुरक्षा बलों के द्वारा इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है.बता दें कि मणिपुर को पहले से ही जातीय और सांप्रदायिक तनावों का सामना करना पड़ रहा है. मौके की नजाकत को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से शांति बना रखने के साथ ही अफवाह भी ध्यान नहीं देने की अपील की है. पुलिस घटना की हर पहलू से जांच कर रही है और हमलावरों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही चश्मदीदों के बयान जुटाए जा रहे हैं. इसके अलावा इससे पहले मणिपुर के इंफाल पश्चिम और पूर्वी जिलों में सुरक्षा बलों ने कई प्रतिबंधित संगठनों के तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है.

# राजनीति का इतना तापमान असहनीय

## जगदीप धनखड़ बोले- आज का माहौल लोकतंत्र के अनुकूल नहीं

**उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब हम देश के बाहर जाते हैं तो ना पक्ष होता है ना प्रतिपक्ष होता है, हमारे सामने भारतवर्ष होता है! यह अब दिखा दिया गया। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर, दुनिया के अनेक कोनों में संसद सदस्यों का जाना, पूर्व राजनयिकों का जाना एक बहुत बड़ा कदम है।**

एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज का राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि आज के समय में राजनीति का माहौल और उसका तापमान, दोनों ही हमारे लोकतंत्र और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं हैं। यह हमारी हजारों साल पुरानी संस्कृति से भी मेल नहीं खाता है। राजनीति में आप अलग-अलग दलों में हो सकते हैं और इसमें भी बदलाव होता रहता है – और बड़ा बदलाव होता है। सत्ता पक्ष प्रतिपक्ष में जाता रहता है, प्रतिपक्ष सत्ता पक्ष में आता रहता है। पर इसका मतलब यह नहीं है कि दुश्मनी हो जाए, दरार हो जाए। दुश्मन हमारे सीमापार हो सकते हैं, देश में हमारा कोई दुश्मन नहीं हो सकता। जगदीप धनखड़ ने कहा कि राजनीति का इतना तापमान असहनीय हो रहा है।

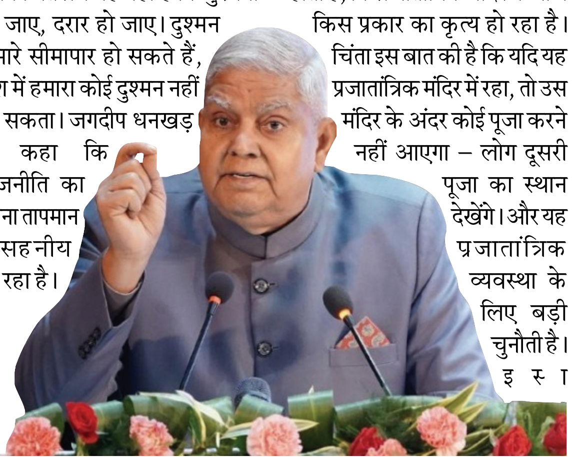

बेलगाम होकर हम वक्तव्य जारी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा सभी से आग्रह रहेगा कि विधान मंडलों को सर्वोच्च आचरण करना पड़ेगा। आज का परिदृश्य जब देखते हैं तो बड़ी चिंता होती है, कि प्रजातांत्रिक मंदिर में आज किस प्रकार का कृत्य हो रहा है। चिंता इस बात की है कि यदि यह प्रजातांत्रिक मंदिर में रहा, तो उस मंदिर के अंदर कोई पूजा करने नहीं आएगा – लोग दूसरी पूजा का स्थान देखेंगे। और यह प्रजातांत्रिक व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है। इ स । कसौटी पर खरे हम तभी उतर सकते हैं, जब सार्वजनिक दिमाग में यह बात लाई जाए – और आज के दिन पूर्व विधायकों का इसमें बहुत महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब हम देश के बाहर जाते हैं तो ना पक्ष होता है ना प्रतिपक्ष होता है, हमारे सामने भारतवर्ष होता है! यह अब दिखा दिया गया। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर, दुनिया के अनेक कोनों में संसद सदस्यों का जाना, पूर्व राजनयिकों का जाना एक बहुत बड़ा कदम है। यह कदम है कि हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है, राष्ट्रहित हमारा धर्म है, भारतीयता हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि जहां भारत का मुद्दा उठेगा हम विभाजित नहीं हैं। हमारे राजनीतिक मनभेद नहीं हैं, हमारे राजनीतिक मतभेद हैं पर वो देश के अंदर हैं।

# पाकिस्तानी तस्कर, कनाडाई हैंडलर, पंजाब पुलिस की रेड में 300 करोड़ की हेरोइन जब्त

**पंजाब पुलिस के डीजीपी द्वारा एक्स पर साझा किए गए विवरण के अनुसार, इस ऑपरेशन में शामिल नौ प्रमुख व्यक्तियों – जिनमें ड्रग और हवाला ऑपरेटर भी शामिल हैं। हरियाणा, जम्मू, राजस्थान और पंजाब सहित कई राज्यों से गिरफ्तार किया गया। इस जब्ती को अंतरराष्ट्रीय ड्रग गिरोह को ध्वस्त करने में एक बड़ी सफलता बताया जा रहा है। पंजाब पुलिस के डीजीपी ने एक्सक्लूसिव बातचीत में कहा, पंजाब पुलिस अंतरराष्ट्रीय ड्रग गिरोहों को ध्वस्त करने और पंजाब को नार्को-आतंकवाद से बचाने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है।**

एजेंसी

पंजाब पुलिस ने सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए एक बड़े अभियान में भारी मात्रा में ड्रग्स जब्त की। राजस्थान के बाड़मेर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास लगभग 300 करोड़ रुपये मूल्य की लगभग 60.302 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। यह अभियान अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर चलाया गया। पुलिस के अनुसार, यह खेप पाकिस्तान स्थित तस्कर तनवीर शाह और कनाडा स्थित हैंडलर जोबन कलेर से जुड़ी हुई थी। पंजाब पुलिस के डीजीपी द्वारा एक्स पर साझा किए गए विवरण के अनुसार, इस ऑपरेशन में शामिल नौ प्रमुख व्यक्तियों - जिनमें ड्रग और हवाला ऑपरेटर भी शामिल हैं। हरियाणा, जम्मू, राजस्थान और पंजाब सहित कई राज्यों से गिरफ्तार किया गया। इस जब्ती को अंतरराष्ट्रीय ड्रग गिरोह को ध्वस्त करने में एक बड़ी सफलता बताया जा रहा है।

# आप ने पंजाब को बनाया केजरीवाल का बैंक :जाखड़

## भगवंत मान सरकार बनी पोंजी स्कीम , चंडीगढ़ में विजय रूपाणी को दी श्रद्धांजलि

**मीडिया से बातचीत में सुनील जाखड़ ने आम आदमी पार्टी, सीएम भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब की सरकार अब केवल पैसा कमाने में लगी है ।जाखड़ ने कहा, केजरीवाल की दिल्ली वाली टीम ने पंजाब को एटीएम नहीं, पूरा बैंक बना दिया है।**

एजेंसी

चंडीगढ़, अहमदाबाद प्लेन क्रैश में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री व पंजाब भाजपा प्रभारी विजय रूपाणी की मौत के बाद, चंडीगढ़ स्थित भाजपा कार्यालय में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए ।इस मौके पर मीडिया से बातचीत में सुनील जाखड़ ने आम आदमी पार्टी, सीएम भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप

लगाया कि पंजाब की सरकार अब केवल पैसा कमाने में लगी है ।जाखड़ ने कहा, केजरीवाल की दिल्ली वाली टीम ने पंजाब को एटीएम नहीं, पूरा बैंक बना दिया है। ये लोग पंजाब का खून-पसीना निचोड़कर हजारों करोड़ रुपए निकालने की योजना बना रहे हैं, लेकिन भाजपा ऐसा नहीं होने देगी ।उन्होंने यह भी कहा कि जो व्यक्ति भगवंत मान के सामने झुका नहीं, उस पर केस दर्ज किया जा रहा है, जबकि जो रात के अंधेरे में पैर पकड़कर आया, उसे रात में ही बधाई दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सारी पार्टियों के नेताओं के खाते चैक किए जाए और सच्चाई सामने लाई जाए। अंत में जाखड़ ने कांग्रेस और आप को ₹चोर-सिपाही₹ की जोड़ी बताते हुए जनता से अपील की कि इससे छुटकारा पाने का वक्त आ गया है।

### पंजाब सरकार पोंजी स्कीम बनी

जाखड़ ने मीडिया के सामने कहा कि जिस तरह कॉल पर लोगों को ठगने के लिए स्कीमें बताई जाती हैं और भारत सरकार चेतावनी देती है, वैसे ही पंजाब सरकार भी लोगों को गुमराह कर रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, अब पंजाब सरकार खुद एक ऑफिशियल पोंजी स्कीम बन चुकी है ।जाखड़ ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों को भ्रमित कर रही है कि उनकी जमीनों की कीमत बढ़ गई है